A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 21 जून, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 252, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

सूर्य मेरी पुतलियों में स्नान करता
केश–वन में झिलमला कर डूब जाता
स्वप्न–सा निस्तेज गतचेतन कुमार
कमल तल में खिले सर के,
शीर्षासन से।
चपल शीतल–दृग...
जागरण की चेतना से मैं नहा उट्ठा।
हवा है मेरी असंख्य
दृष्टियाँ अनुक्षण परस्पर
देखतीं खुल–मुँद,
असंख्य
चपल शीतल–दृग
पुलक पल लिए, अपरम्पार।
चट–चटककर कमर बोली...
मैं कमल के नाल पर बैठा हुआ हूँ
एक एड़ी पर टिकाए मौन।

– शमशेर बहादुर सिंह

योग दिवस

मानवता के लिए अमूल्य उपहार है 'योग'

डॉ. मोहन यादव
लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं

योग एक ऐसी दिव्य अवस्था है जब चेतना और परम चेतना का मिलन होता है। इस अवस्था को प्राप्त करने का अवसर हर जीव के पास है। योग सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति का सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य उपहार है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। साथ ही इस बात का समर्थन किया कि 'योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है'। उन्होंने पूरी दुनिया में समग्र स्वास्थ्य क्रांति के नये युग का सूत्रपात किया। उपचार की जगह रोकथाम पर अब अधिक ध्यान दिया जा रहा है। आज पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त कर रहा है।

हम 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। यह 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय को समर्पित है। इसका उद्देश्य मानव कल्याण और एक स्वस्थ ग्रह के बीच संबंध को बढ़ावा देना है। सीधा अर्थ है कि जब शरीर और मन स्वस्थ होता है, तो हम अपने समुदाय और पर्यावरण से बेहतर सामंजस्य रख पाते हैं, उनकी सही देख-रेख कर पाते हैं।

आज पूरे विश्व में एक अद्भुत वातावरण बना है। पूरा विश्व आज योग कर रहा है। योग ने विश्व में असंख्य लोगों को सहारा दिया है। हमारे लिये यह गौरव का क्षण है। योग का विधिवत विज्ञान यहाँ सुरक्षित है। योग दर्शन की विरासत से आज पूरा विश्व समाज लाभान्वित हो रहा है। हम इस अलौकिक समय के साक्षी बन रहे हैं। हम आज गौरव और आनंद से भरे हैं। योग, धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत का गौरव बढ़ाने वाला दिवस है साथ ही पूरे विश्व को परम चेतना के प्रति जागृत करने का क्रांतिकारी कदम भी है।

अक्सर सवाल किया जाता है कि योग से क्या मिलता है? इसका सीधा सरल जवाब है योग से मिलती है शांति। मन और तन को सबसे ज्यादा जरूरत है शांति की। अशांत मन और अनियंत्रित तन पूरे समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। योग एक ऐसा दिव्य द्वार है जो शांति की ओर खुलता है। शांति से उपजती है एकाग्रता। धर्म संसद में वेदांत दर्शन पर कालजयी व्याख्यान देने के बाद स्वामी विवेकानंद को अमेरिका में जगह जगह दर्शन पर व्याख्यान देने आमंत्रित किया गया। जब वे अमेरिकन विद्यार्थियों के बीच पहुंचे तो विद्यार्थियों ने सवाल किया कि पढ़ाई में मन नहीं लगता। स्वामी जी का जवाब था इसका एकमात्र उपाय है एकाग्रता। यह एकाग्रता उपजती है शांत मन से। शांत मन होता है ध्यान से। शांत मन दूषित विचारों से मुक्त होता है। शांति से निर्मित होती है सकारात्मक ऊर्जा। यह ऊर्जा सभी जीवों के लिये कल्याणकारी और हितकारी होती है। शांत चित्त वाला मनुष्य कभी गलत निर्णय नहीं ले सकता। जब शरीर, मन और आत्मा एकाकार हो जायें तो अहित और अशुद्धि का सवाल कहां रह जाता है।

कथा उपनिषद में योग को इंन्द्रियों पर नियंत्रण करने की विद्या कहा गया है। श्रीमद्भगवद् गीता में योग को दुख से वियोग होना कहा गया है। महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र में योग को मन के विचलन पर नियंत्रण की विधा बताया है। महर्षि अरविंद ने तो यहां तक कहा है कि संपूर्ण मानव जीवन ही एक योग है क्योंकि मनुष्य से कई चीजों का जोड़ है।

योग का उद्देश्य परम चेतना में प्रवेश पाना है। यह परम चेतना क्या है जो योग से मिलती है? यह अवस्था ऐसी अवस्था है जब मन केवल न्याय और धर्म के साथ होता है। सिर्फ दया, करूणा, मैत्री और शांति जैसे मूल्य प्रखर होते है। यह अवस्था हर मनुष्य के लिये अनिवार्य है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो या विश्व के किसी भी कोने में रहता हो।

कल्पना करें कि जब एक साथ पूरा विश्व योग करे तो फिर भेदभाव कहां रह जाता है। मन में भौगोलिक सीमाओं का बोध समाप्त हो जाता है। फिर चाहे कोई भी देश हो पूरा विश्व एक हो जायेगा। यौगिक क्रियाओं से यदि मन एकरूप हो जायें तो चित्त की प्रसन्नता निरंतर बनी रहती है।

भारतीय परंपरा में उल्लेख है कि प्रकृति ने ही तमाम योग मुद्राएं सिखाई है। यह सच है कि योग विद्या की विरासत को लगभग विस्मृत सा कर दिया गया था। हमें सिर्फ प्रयासपूर्वक जागने की जरूरत है। योग सदा से विदयमान था। किसी भी धर्म को देखें योग के दर्शन होंगे। योग और यौगिक क्रियाएं जीवन से गहरी जुडी हैं। अब एक नई और ओजपूर्ण शुरूआत हो चुकी है। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है।

मैं सभी प्रदेशवासियों से आहवान करता हूँ कि वे योग को अपने जीवन का अह्म हिस्सा बनाए, जिससे तन और मन दौनों स्वस्थ रह सकें।

आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है, मैं दिल में रखता हूं: पीएम

सीवान (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सीवान के जसौली में सभा को संबोधित किया। 35 मिनट के भाषण में पीएम ने आरजेडी और कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पंजे और लालटेन के शिकंजे ने बिहार को पलायन का प्रतीक बना दिया था। आपने मिलकर बिहार में जंगलराज का सफाया किया है। नौजवानों ने बिहार की बदहाली के सिर्फ किस्से और कहानी सुनी हैं। उन्हें अंदाजा नहीं है जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। पीएम ने कहा कि आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है। आरजेडी और कांग्रेस बिहार और निवेश विरोधी हैं। पीएम ने करीब 10 हजार करोड़ की योजनाओं काउद्घाटन किया। पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। पीएम बोले राजद ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या किया।

- **पीएम मोदी बोले-लालटेन-पंजे वाले कहते हैं परिवार का साथ और परिवार का विकास**

सीवान को पिछड़ा कहा, अब अफ्रीका जा रहा इंजन

आज पहला इंजन अफ्रीका को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। अफ्रीका में भी बिहार की जय–जयकार होने वाली है। मढ़ौरा में इसकी फैक्ट्री है। ये फैक्ट्री उसी जिले में बनी है जिसे आरजेडी और कांग्रेस वालों ने पिछड़ा कहकर अपने हाल पर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार का विकास इंजन ठप कर दिया। अब बिहार में बना इंजन अफ्रीका की रेल चलाएगा। आरजेडी–कांग्रेस के कारनामे बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। अपने मुंह से ये लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को दुकान,मकान सब जगह ताले दिखाई देते हैं।

ब्लैक बॉक्स विदेश भेजे जाने पर मोदी सरकार का यू टर्न

- कहा-अभी कोई फैसला नहीं, जांच जारी है, अमेरिका भेजे जाने की खबरें चली थीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अभी विदेश नहीं भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर बयान जारी किया है। केंद्र ने गुरुवार को कहा कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स को कहां भेजा जाएगा, इसका फैसला एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो करेगा। यह फैसला सभी तकनीकी, सुरक्षा और गोपनीय पहलुओं को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। फिलहाल एएबी की जांच जारी है। इसके अलावा गृह सचिव के नेतृत्व में हाई लेवल कमेटी भी हादसे की जांच कर रही है, जो तीन महीने में रिपोर्ट देगी। प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स (सीवीआर और डीवीआर) सेट मिले हैं।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरान की मिसाइल

6 लोग घायल,कई गाड़ियों में लगी आग,इजराइल का पलटवार

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

जंग के कारण 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हुए

इजराइल और ईरान के बीच 8 दिनों से जारी जंग के कारण अब तक 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हो गए हैं। येदिओथ अहरोनोथ अखबार ने इजराइली संपत्ति कर मुआवजा कोष का हवाला देते हुए बताया कि ईरानी हमले से इमारतों या वाहनों को हुए नुकसान के कारण मुआवजे के लिए करीब 30,000 एप्लिकेशन आए हैं।

सीएम हाउस में प्रदेश भर के गौशाला संचालकों का सम्मेलन

उत्कृष्ट गौशालाओं के संचालकों को सीएम ने किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन में गौमाता का पूजन और गौ पालकों का सम्मान कर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री निवास में पहली बार गौशाला सम्मेलन का आयोजन हुआ। आज प्रदेश भर के सरकारी और निजी गौशालाओं के संचालक सीएम हाउस पहुंचे हैं।

कामधेनु योजना हुई शुरू

प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए मप्र के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा कामधेनु योजना शुरू की गई है। इस योजना में हितग्राहियों के द्वारा 25 दुधारू पशुओं से लेकर 200 दुधारू पशुओं के लिए योजना मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत की गई है।

अनुसूचित जाति जनजाति एवं महिलाओं हेतु 33 प्रतिशत व अन्य हेतु 25 प्रतिशत का अनुदान देंगे

योजना में अनुसूचित जाति जनजाति एवं महिलाओं हेतु 33 प्रतिशत व अन्य हेतु 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संचालक ने बताया मध्य प्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा वर्तमान में 2150 गौशालाओं के लगभग चार लाख गोवंश को अनुदान दिया जा रहा है। शासन द्वारा लगातार अनुदान की प्रक्रिया को सरल कर सभी गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से अनुदान राशि सीधे गौशाला समितियों के खाते में पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

प्रति गौवंश अब 40 रुपए अनुदान

गोवंश को बेहतर आहार के लिए प्रति गोवंश प्रति दिवस रू. 20 की राशि को मध्य मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और विभागीय मंत्री लखन पटेल द्वारा 40 रुपए प्रति दिन कर दिया गया है।

साल 2025-26 के लिए 505 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। जिसमें से अब 5 रुपए प्रति गोवंश प्रति दिन की राशि मजदूरी के लिए खर्च की जा सकेगी। वित्तीय वर्ष 2024- 25 के लिए अनुदान की राशि रुपए 267.78 करोड़ गौशालाओं के गोवंश हेतु अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। प्रदेश में उज्जैन इंदौर भोपाल जबलपुर नगर निगमों के द्वारा 5000 से ज्यादा निराश्रित गोवंश हेतु सर्व सुविधा युक्त आधुनिक गोशालाएं बनाए जा रही है

भारत के पास जल्द होगी हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल

- डीआरडीओ प्रमुख का दावा, बोले-अभी चल रहा परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों ईरान और इजरायल के बीच युद्ध जारी है जिसमें खास तौर पर हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग हो रहा है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हथियार प्रणाली सफल रही, अब भारत भी चाहता है कि उसके पास हाइपरसोनिक मिसाइलों का जखीरा हो ताकि दुश्मन भारत की ओर देखने से पहले सौ बार सोचे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई और दुश्मन के हवाई क्षेत्र, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाया। डीआरडीओ के प्रमुख ने बताया कि भारत के पास भी जल्द हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल होंगी। अभी काम परीक्षण चरण में है। डीआरडीओ प्रमुख कामत ने बताया कि भारत हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में पीछे नहीं है। पिछले साल, डीआरडीओ ने ओडिशा के तट से दूर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था। डॉ. कामत ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के बारे में बात की और कहा कि एजेंसी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का विकास कर रही है, जिसका अर्थ है कि ऐसी मिसाइलें जो हाइपरसोनिक गति से लगातार यात्रा कर सकती हैं। हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल काफी उन्नत चरण में है।

राजा-सोनम केस में अब मिस्ट्री गर्ल अलका की एंट्री

- हत्याकांड में आया नया मोड़, 'बेस्ट फ्रेंड' का होगा पर्दाफाश

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय में हुई राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में एक नया मोड़ आया है। इस सनसनीखेज मामले में एक मिस्ट्री गर्ल की एंट्री हुई है, जिसका नाम 'अलका' बताया जा रहा है। अलका को मुख्य आरोपी सोनम की करीबी दोस्त बताया जा रहा है। राजा रघुवंशी के परिवार वालों ने भी अलका की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और आशंका जताई है कि यह लड़की भी हत्याकांड की साजिश में शामिल हो सकती है। राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने अलका को सोनम की सच्ची सहेली बताया है। राजा के भाई ने मांग की है कि पुलिस को उसकी अच्छे से जांच करनी चाहिए और सोनम का नार्को टेस्ट कराने की भी मांग की है, जिससे सारी जानकारी सामने आ सके।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 41 °c
न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 21 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बातचीत

कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और योग गुरु)

प्रतिस्पर्धा से योग को दुनिया में नया विस्तार मिलेगा

सुखद संयोग ही है कि भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरु से योग की अनूठी धारा दुनिया को हैरत में डालने वाली है। यूं तो बेंगलुरु आईटी हब है, लेकिन यहां आध्यात्मिक ज्ञान व योग की भी वैश्विक ख्याति है। आजकल बेंगलुरु स्थित अक्षर योग केंद्र इन देश-विदेश के हजारों योग साधकों की गहमागहमी को केंद्र बना हुआ है। आध्यात्मिक व योग गुरु हिमालय सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इतिहास रचने की तैयारी जारी है। जिसमें अमेरिका, यूरोप,अफ्रीका व एशिया के हजारों प्रतिभागी 12 गिनीज बुक रिकॉर्ड के ऑफिशियल प्रयास की तैयारी में जुटे हैं।

यह आयोजन इस बार 11वें विश्व योग दिवस पर होने जा रहा है। अन्य विधाओं के साथ योग में भी विश्व रिकॉर्ड बनाने की क्या जरूरत है। हिमालय सिद्ध अक्षर कहते हैं कि यह प्रयास हमारी प्राचीन विरासत के संरक्षण के साथ दुनिया को यह बताना है कि इसके असली वारिस हम ही हैं। उल्लेखनीय है कि इस बार 11वें विश्व योग दिवस के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थीम 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' घोषित की है। इस आयोजन से जुड़े तमाम मुद्दों को लेकर अक्षर योग के संस्थापक और योग गुरु हिमालय सिद्ध अक्षर से बातचीत-

इस बार बारह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाने की प्रेरणा क्या है?

■ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत से ही हम ऐसे आयोजन करते रहे हैं। शुरुआती वर्षों में हमने बड़े स्तर पर योग प्रतियोगिताएं आयोजित की और पाया कि जब प्रतिस्पर्धा में एक सकारात्मक तत्व जोड़ा गया, तो प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। एक विशेष आयोजन था 300 सूर्य नमस्कार का। जिसमें लगभग 6 से 6.5 घंटे लगे। इसका प्रभाव अद्भुत था, इससे योग साधकों में अनुशासन, एकाग्रता आयी और पूरे योग साधकों में गहराई से ऊर्जा का संचार हुआ।

हम पहले ही 9 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुके हैं और इस वर्ष के 12 रिकॉर्ड्स उसी यात्रा का अगला चरण हैं। यह प्रेरणा पहले आयोजनों की सफलता से मिली है। बीते कुछ महीनों से हम पूरी तरह से तैयारियों में जुटे हैं और विश्वास है कि यह भारत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण होगा।

क्या योग को वैश्विक मान्यता के बाद योग की विरासत समृद्ध हुई?

■ निश्चित रूप से, योग भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक गहरा हिस्सा है। यह भारत की ओर से विश्व को मिला एक उपहार है जो स्वास्थ्य और सामंजस्य को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस सच्चाई को पहचाना और योग को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दूरदर्शिता दिखाई। उन्हीं के प्रयासों से 2015 में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। निर्विवाद रूप से यह पहल मोदी जी के 'वन वर्ल्ड, वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को साकार करती है। उनकी दूर दृष्टि में योग को एक स्वस्थ, एकजुट विश्व के निर्माण की शक्ति के रूप में देखा गया है। हमारे आगामी आयोजन में जापान, फ्रांस, यूके, यूएसए, हांगकांग, मलेशिया, ताइवान समेत कई देशों के प्रतिभागी जुड़ रहे हैं। जब किसी परिवार में एक व्यक्ति योग करता है, तो इसका सकारात्मक असर पूरे परिवार पर पड़ता है। कल्पना कीजिए अगर ये अभ्यास वैश्विक स्तर पर हो जाए तो यह पहल 2025 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विश्व भर को शांति, शक्ति और एकता की ओर समर्पित करने वाली बनाएगी।

इस भव्य आयोजन के माध्यम से आप दुनिया को क्या संदेश देना चाहते हैं?

■ उसकी ओर समर्पण के साथ बढ़ना कितना जरूरी है।

संदेश सरल है 'लक्ष्य बनाइए, और फिर पूरी मेहनत से उसकी ओर अग्रसर हो जाइए।' हम चाहते हैं कि इस प्रयास से पूरी दुनिया के लोग अपने भीतर की शक्ति को पहचानें, अपने उद्देश्य को समझें, और पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ें। जीवन या योग दोनों में यात्रा एक स्पष्ट इरादे से शुरू होती है।

आप इन 12 रिकॉर्ड्स के माध्यम से भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक स्तर पर कैसे प्रचारित करेंगे?

■ वैसे तो योग स्वयं में एक सनातन धरोहर है, जिसे किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं। संयुक्त राष्ट्र पहले ही इसे मान्यता दे चुका है। इन 12 रिकॉर्ड्स का उद्देश्य योग की महानता बढ़ाना नहीं है। क्योंकि, योग पहले से ही संपूर्ण, प्राचीन और सर्वोच्च है। यह प्रयास जागरूकता फैलाने के लिए हैं। ताकि अधिक से अधिक लोग इस जीवन विज्ञान के निकट आएं और इसके रूपांतरणकारी प्रभाव का अनुभव करें। यह मिशन आयुष मंत्रालय के उस प्रयास से भी जुड़ा है जो भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को विश्व मंच पर लाने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह प्रयास उन महान गुरुओं को समर्पित है, जिन्होंने इस ज्ञान को सुरक्षित रखा और हमें सौंपा। अब यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इसे आगे बढ़ाएं।

आप मानते हैं यह क्षण भारत के लिए विश्व मंच पर अपनी आध्यात्मिक नेतृत्व भूमिका को पुर्नस्थापित करने का अवसर है?

■ निस्संदेह, भारत को हमेशा से आध्यात्मिक भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। हिमाचल, काशी, वृंदावन, ऋषिकेश हर स्थान में दिव्यता है, जो विश्व भर के साधकों को आकर्षित करती है। जब भी कोई आध्यात्मिक राजधानी की बात करता है, तो भारत ही सबसे पहले नाम बनकर उभरता है। ऐसे प्रयास योग, आयुर्वेद और आध्यात्मिकता पर केंद्रित भारत की विरासत को न केवल उत्सव के रूप में प्रस्तुत करते हैं, बल्कि इसकी शुद्धता के साथ उसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाते हैं। यह निःसंदेह एक निर्धारक क्षण है, जो भारत को योग और आध्यात्मिकता के वैश्विक अग्रणी के रूप में पुनः स्थापित कर रहा है।

एक साथ 12 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तैयारी में मुख्य चुनौतियां क्या रही हैं?

■ बारह रिकॉर्ड्स की एक साथ योजना बनाना बहुत ही विशाल और जटिल कार्य है। गिनीज रिकॉर्ड्स की प्रक्रिया स्वयं में बहुत सख्त होती है। खासकर जब यह बड़े समूहों से संबंधित हो। सबसे बड़ी चुनौती होती है लॉजिस्टिक्स स्थान, दस्तावेज़ीकरण, दिशा निर्देशों का पालन और सब कुछ समन्वित ढंग से करना। इस बार हमने सिर्फ अपने योग केन्द्र के छात्रों को ही नहीं, बल्कि भारतीय सेना, वायुसेना, कर्नाटक पुलिस, विदेशी नागरिकों, स्कूल/कॉलेज के छात्रों, गृहणियों, योग प्रेमियों और पेशेवरों को भी शामिल किया है। इतने विविध समूहों को प्रशिक्षण देना और उन्हें एक समान स्तर तक लाना, एक बड़ी चुनौती है।

इन प्रतिभागियों और आपकी कोर टीम के लिए कैसी तैयारी और अनुशासन की आवश्यकता होती है?

■ वास्तव में कोर टीम को पहले स्वयं सभी 12 आसनों की पूर्ण जानकारी और अभ्यास रखना होता है तकनीक, समय और निष्पादन। फिर उन्हें पूरे देश में विभिन्न स्थानों पर जाकर समूहों को प्रशिक्षित करना होता है। सेना, कॉलेज, स्कूल, पुलिस आदि। प्रत्येक समूह के हिसाब से योजना बनानी होती है।प्रतिभागियों को भी हर आसन की शुद्धता और समय-संयम समझना होता है और लगातार अभ्यास करना होता है।यह सिर्फ शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि मानसिक एकाग्रता और एकता की भावना भी विकसित करता है।

इस पहल में अंतरराष्ट्रीय योग साधकों की कितनी भागीदारी है?

■ हालांकि आयोजन भारत में हो रहा है, लेकिन यह केवल भारत तक सीमित नहीं है। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी भी बड़ी संख्या में जुड़ रहे हैं। हम 12 अलग-अलग रिकॉर्ड्स कर रहे हैं, इसलिए प्रतिभागियों को उनके सुविधाजनक रिकॉर्ड्स में भाग लेने की अनुमति दी गई है। अब तक 40 से अधिक देशों से प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है हांगकांग, मलेशिया, जापान, ताइवान, फ्रांस, यूके, यूएसए और कई अन्य।यह पहल एक वैश्विक योग आंदोलन बन चुकी है।

अब तक आपकी आध्यात्मिक यात्रा क्या रही है और योग ने आपके जीवन को कैसे आकार दिया?

■ निस्संदेह, यह प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण होता है, खासकर शुरुआत में। लेकिन, जब आप गहराई से आध्यात्मिक पथ पर चल चुके होते हैं, तो भूत, वर्तमान और भविष्य का भेद मिट जाता है। जीवन हर पल में जिया जाता है न अतीत की चिंता, न भविष्य की। यही सच्चा आध्यात्मिक अनुभव है।अब मैं पूरी तरह वर्तमान में जीता हूं। केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समाज, राज्य और राष्ट्र की उन्नति के लिए कार्य करता हूं। योग ने मेरी इस यात्रा में बेहद रूपांतरणकारी भूमिका निभाई है। हर आसन सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी रूपांतरित करता है। अगर कुछ ही महीनों में योग से वजन कम हो सकता है, तो कल्पना कीजिए दीर्घकालिक अभ्यास से आंतरिक परिवर्तन कैसा होगा। हिमालय की शिक्षाओं से पथ प्रदर्शित होने पर यह परिवर्तन और भी सकारात्मक बन जाता है।

आप यदि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर पूरी दुनिया को एक संदेश दे सकें, तो वह क्या होगा?

■ हमारे ऋषि-मुनियों और गुरुओं ने पहले ही सबसे महान संदेश दुनिया को दे दिए हैं, मैं तो केवल उनकी अनादि वाणी की गूंज हूं। मेरा संदेश है जीवन एक पवित्र उपहार है। इसे व्यर्थ मत जाने दीजिए। अपने अस्तित्व का गूढ़ सत्य समझिए। अपने जीवन का उद्देश्य खोजिए। जब वह स्पष्ट हो जाए, पूरी ऊर्जा और दृढ़ता से उसकी ओर बढ़िए। योग दिवस हमें यह याद दिलाने के लिए है कि हमारा जीवन अर्थपूर्ण, शक्तिशाली और संभावनाओं से भरा हुआ है। जैसे-जैसे आप आंतरिक रूप से शक्तिशाली होते हैं, आपका बाहरी जीवन भी सुंदरता से खिलता है। योग इस बोध की ओर आपका मार्गदर्शक बन सकता है।

नीम पेड़ का जन्मदिन समारोह आज

भोपाल। आज के युग में जब सब आत्मकेंद्रित होकर केवल स्वयं में लिप्त हैं, यह आश्चर्य की बात है कि एक अदने से मार्केट के छोटे व्यवसायीगण आरंभिक काल से अनवरत रूप से न केवल खुद द्वारा रोपे गए एक नीम के पेड़ को अपने बच्चे जैसा पाल पोस रहे हैं, अपितु उसका जन्म दिवस भी हर वर्ष पूरी शिद्दत, समर्पण और श्रद्धा के साथ मनाते आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु साधन के सीमा के बावजूद कर्तव्य परायणता का ऐसा दूसरा उदाहरण कठिनाई से ही मिलेगा।

हर्ष की बात तो ये है कि यह नीम का पेड़ इस वर्ष अपने जीवन के 31 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर पल्लवित है। इस दौरान इसने सम्पूर्ण समाज को पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संदेश प्रदान किया। अस्तु हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण को समर्पित इस अनमोल धरोहर का जन्मदिवस आयोजन प्रस्तावित है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे प्रदीप कुमार उपाध्याय, इकाई प्रमुख, भेल, भोपाल, विशिष्ट अतिथि हरेंद्र नारायण, आयुक्त, नगर निगम, भोपाल, राजेश भदौरिया, पुलिस अधीक्षक, विशेष कार्य बल, भोपाल तथा सम्माननीय अतिथि भेल महाप्रबंधकगण जी. पी. बघेल, शैलेंद्र महाजन, हेम राम पटेल, संतोष गुप्ता सहित टी. यू. सिंह, नगर प्रशासक. आयोजन की अध्यक्षता करेंगे विजय जोशी, पूर्व ग्रुप महाप्रबंधक, भेल। यह आयोजन आदर्श मार्केट, पिपलानी में 21 जून, सुबह 10.15 बजे सम्पन्न होगा। यह जानकारी प्रवक्ता राजकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष एवं सुधीर पंड्या द्वारा प्रदान करते हुए पर्यावरण प्रेमी सुधीजनों को सपरिवार सादर आमंत्रित किया गया है।

'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की थीम के साथ एम्स भोपाल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान आगामी 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस दिनांक शनिवार, 21 जून 2025 को प्रातः 6:30 बजे, गांधी गैलरी, आईपीडी भवन में आयोजित करेगा। इसका आयोजन एम्स भोपाल के आयुष विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम है एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगजो व्यक्तिगत स्वास्थ्य, धरती के पर्यावरण और सामाजिक समरसता के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करती है। इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथि आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। श्री निखिल गजराज (संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। डॉ. सुनील मलिक (माननीय अध्यक्ष, एम्स भोपाल) इस कार्यक्रम में संरक्षक के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह (कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी, डीन (शैक्षणिक); श्री मयंक कपूर, प्रभारी उप निदेशक (प्रशासन) और प्रो. (डॉ.) शशांक पुरवार (चिकित्सा अधीक्षक) उपस्थित रहेंगे। कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता और सतत जीवन शैली का मार्ग है। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'की थीम हमें याद दिलाती है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य और पृथ्वी का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। एम्स भोपाल में हम योग एवं जीवनशैली आधारित स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एम्स भोपाल जनसामान्य, छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को इस स्वास्थ्य, एकता और आंतरिक शांति के उत्सव में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए

भारत की मिट्टी और इसकी जड़ों में सहकारिता वर्षों से व्याप्त है : शिवराज

मुंबई। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर आधारित 'सहकार से समृद्धि 2025' विषय पर मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के कृषि मंत्री श्री माणिकराव कोकाटे, नाफेड के अध्यक्ष श्री जेठाभाई अहीर, इफको के अध्यक्ष श्री दिलीप संघानी, एनसीसीएफ के अध्यक्ष श्री विशाल सिंह, गुजरात राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री अजय पटेल और नाफेड के एमडी श्री दीपक अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री शिवराज सिंह ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष है। संयुक्त राष्ट्र संघ में आज आयोजन हो रहा होगा लेकिन सहकारिता भारत की मिट्टी और इसकी जड़ों में वर्षों से व्याप्त है। हजारों साल पहले भारत के ऋषियों ने उद्घोष किया था, 'आत्मवत् सर्वभूतेषु। सभी प्राणियों में एक ही चेतना है। विश्व के कल्याण का भाव की सहकारिता है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान का महत्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। आज भी कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जीडीपी में कृषि क्षेत्र की भागीदारी 18 प्रतिशत है। लगभग 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर ही निर्भर है। मैं स्वयं किसान हूं। अपने खेतों में ट्रैक्टर चलाकर खेती करता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किसान कल्याण के लिए कार्य करना ही जीवन का उद्देश्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए जो

रोडमैप बनाया गया उसमें शामिल हैं- प्रति हेक्टेयर उत्पादन को बढ़ाना, उत्पादन की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम, फसल नुकसान की स्थिति में उचित मुआवजा, कृषि का विविधिकरण और उर्वरकों में सीमित उपयोग के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित रखना।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि हमें देश की परिस्थितियों के अनुसार कृषि क्षेत्र में उन्नति के मार्ग तय करने होंगे। भारत में अत्यधिक किसान छोटी जोत वाले हैं। इसलिए हमारी नीतियों का केंद्र छोटा किसान है। तीन चीजें और जो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तय हुई हैं उनमें शामिल हैं- पहला- देश 144 करोड़ आबादी के खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, दूसरा- किसानों की आय बढ़ाना और तीसरा- देशवासियों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध करवाना।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को उनके उत्पादन का सही दाम मिले, इसके लिए भारत सरकार पूरी कोशिश कर रही है। किसान द्वारा पंजीकरण के बाद तूअर, मसूर और उड़द की भी खरीद की जाएगी। दलहन-तिलहन साथ ही सोयाबीन में भी रिकॉर्ड स्तर पर खरीद हुई है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसान तक शोध की सही जानकारी पहुंचाने के लिए भी व्यापक स्तर पर कोशिश की गई। प्रधानमंत्री जी के विजन में 'लैब टू लैंड' को जोड़ने के लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' भी आयोजित किया गया। वैज्ञानिकों की 2,170 टीमों ने जमीनी स्तर पर जाकर किसानों से संवाद किया, उन्हें कृषि की विभिन्न पद्धतियों और शोध की जानकारी दी।

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य: गडकरी

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भगवान् बुद्ध ने अहिंसा का मार्ग दिखलाया था। भारतीय ऋषियों मुनियों ने धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है। मानवीय मूल्यों, धार्मिक आदर्शों, सामाजिक आदर्शों, त्याग, तपस्या, संस्कार, समन्वय, सौहार्द्र इन सभी मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य है। हम इसी रास्ते आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। भारत का मंत्र सदैव विश्व का कल्याण रहा है। यही हमारी संस्कृति है। स्वामी विवेकानंद, अंबेडकर, गांधी, फुले जैसे विचारकों की सोच के साथ हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि चरित्र ही व्यक्ति की पहचान है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है। हमें फ्यूचरिस्टिक विजन के साथ प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना है। यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी सपना है। बेस्ट टेक्नोलॉजी हमारे देश में विकसित हो, दुनिया में जो कुछ अच्छा है वो भारत में भी हो, यही हमारा प्रयास है। उन्होंने सीएनजी, बायोफ्यूल, इथेनोल, ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के 33वां दीक्षांत समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण अवसर होता है। सागर विश्विद्यालय के विद्यार्थी भाग्यशाली हैं जिन्हें डॉ. गौर द्वारा दान की गई संपत्ति से बने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का मौका मिला। उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति ज्ञानवान बनता है। हमारे देश की विशेषता रही है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने पूरे विश्व को हमेशा आलोकित किया है। हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, ज्ञान एवं विज्ञान हमारी विशेषता है। हमें आज विज्ञान और नवाचार के जरिये समाज को बदलना है। उन्होंने कहा कि हमें स्मार्ट शहर के साथ स्मार्ट विलेज भी बनाना है। गाँवों का विकास करना है, स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करनी हैं, किसानों को फसल का सही भाव मिले, यह सब करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यह सब करने के लिए शिक्षा, अनुभव और संशोधन के साथ करना है।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि आप युवा हैं, देश का भविष्य हैं। जीवन में समाज के गरीब तबके, मजदूर, किसानों के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य के लिए काम करे वही मनुष्य है। उन्होंने भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि शक्ति संपन्न व्यक्ति ही सौहार्द ला सकता है। शक्ति इसलिए नहीं कि अपने साम्राज्य का विस्तार करने के लिए बल्कि इसलिए जिससे न्याय की रक्षा हो सके, धर्म की रक्षा हो सके, शक्ति का उपयोग लोक कल्याण में हो सके, विश्व कल्याण में हो सके।

एम्स भोपाल में हाउस ऑफ क्लब्स पहल के तहत आज मनाया जाएगा विश्व संगीत दिवस

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान में आज, 21 जून को विश्व संगीत दिवस को एक संगीतमय जैमिंग सेशन के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। यह आयोजन हाल ही में शुरू की गई 'हाउस ऑफ क्लब्स' पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना, आपसी जुड़ाव को सशक्त बनाना और मानसिक स्वास्थ्य को संबल प्रदान करना है। यह आयोजन एम्स भोपाल के संगीत क्लब 'कॉर्ड-ए-टेंडिने' द्वारा किया जा रहा है, जो 'हाउस ऑफ क्लब्स' के प्रमुख क्लबों में से एक है।

संस्थान के प्रशासन के सक्रिय सहयोग से जिम क्षेत्र के पास स्थित स्टूडेंट काउंसिल रूम को स्थायी रूप से छात्र गतिविधियों के लिए समर्पित किया गया है। 'हाउस ऑफ क्लब्स' के अंतर्गत अब डांस क्लब, म्यूजिक क्लब, ड्रामा एवं मूवी क्लब, बुक एवं मैगज़ीन क्लब तथा फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी क्लब सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं – जो छात्रों को अकादमिक दायरे से बाहर भी अभिव्यक्ति और विकास का अवसर प्रदान करते हैं। इस पहल के संबंध में प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- एम्स भोपाल में हम मानते हैं कि एक स्वस्थ मन, शैक्षणिक उत्कृष्टता जितना ही आवश्यक है। 'हाउस ऑफ क्लब्स' एक समावेशी और जीवंत कैंपस वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जहाँ छात्र स्वयं को अभिव्यक्त कर सकते हैं, साथियों से जुड़ सकते हैं और कक्षा से परे भी विकास कर सकते हैं। कल होने वाला यह कार्यक्रम विभिन्न बैचों के छात्रों और रेजिडेंट्स को एक मंच पर लाएगा और संगीत के माध्यम से एकता व उत्साह का संदेश देगा।

लव जिहाद के आरोपी पार्षद पर 19 केस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में लव जिहाद के लिए फंडिंग करने के आरोपी कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी उर्फ अनवर डकैत के खिलाफ 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें जानलेवा हमला, डकैती, बलवा, अवैध हथियार रखना, जमीन कब्जा करना और मारपीट जैसे केस शामिल हैं। अनवर 2011 में एक साल की सजा भी काट चुका है। अनवर लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में फरार है। उसने मुस्लिम लड़कों को तीन लाख रुपए देकर कहा था- हिंदू लड़कियों से शादी करें और फिर उन्हें देह व्यापार में धकेलें। पुलिस ने अनवर पर 10 हजार का इनाम घोषित किया है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें छापे मार रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद इस मामले में पुलिस को सख्त कार्रवाई की खुली छूट दी है। वहीं, कांग्रेस इसे राजनीतिक साजिश बता रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर में कहा, अय्याशी कांग्रेस करती है। कांग्रेस के लोगों के रिकॉर्ड इस बात के गवाह हैं। उनके सारे नेता जमानत पर हैं। वे क्या कर रहे हैं, ये कोई छुपी बात नहीं है।

जानलेवा हमले पर 14 साल पहले काटी एक साल की सजा

2011 में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी, उसके भाई और एक अन्य आरोपी को जानलेवा हमले के मामले में अदालत ने एक-एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। यह हमला 6 मई 2009 को इंदौर के आजादनगर चौराहे के पास अनवर हुसैन पर किया गया था। अनवर हुसैन आरोपियों पर चल रहे एक अन्य मामले में गवाह था। पुलिस ने कादरी समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से पिस्तौल, कट्टा, तलवार और चाकू बरामद किए गए थे।

'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे, जेल जाना पड़ा

28 अप्रैल 2025 को अनवर ने इंदौर के वार्ड 58 स्थित बड़वाली चौकी पर पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया था। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही कादरी ने 'पाकिस्तान' शब्द बोला, वहां मौजूद उसके कुछ समर्थकों ने 'जिंदाबाद' के नारे लगा दिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। घटना के वीडियो को लेकर बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस पर अनवर कादरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

उज्जैन में डकैती का केस, इसी से मिला डकैत नाम

अनवर कादरी पर 1996 में उज्जैन के महाकाल थाने में डकैती का केस दर्ज किया गया था। इसके बाद उसे अनवर डकैत के नाम से पहचाना जाने लगा। अनवर ने इंदौर में भी मारपीट, घर में घुसकर धमकाने जैसी कई घटनाओं को अंजाम दिया। अनवर कांग्रेस से तीन बार पार्षद रह चुका है। उसकी पत्नी दो बार पार्षद रही है। प्रमोद टंडन के शहर कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए अनवर को शहर कांग्रेस का महामंत्री भी नियुक्त किया गया था। उसने एक बार निर्दलीय चुनाव भी लड़ा था।

बंदूक लेकर पत्रकार के घर में घुसा था अनवर कादरी

बीते साल इंदौर के बड़वाली चौकी क्षेत्र में अनवर कादरी पर पत्रकार जावेद खान के घर में बंदूक लेकर घुसने और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा था। पुलिस के अनुसार, अनवर ने जावेद के साथ लात-घूंसों से मारपीट की और उनके परिवार को भी धमकाया। जावेद ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि कादरी ने घर की महिलाओं से दुर्व्यवहार किया और बच्चों को डराया-धमकाया। घर में तोड़फोड़ भी की।

निकाय चुनाव में फर्जी वोट डलवाने पर मुकदमा दर्ज

2022 के नगर निगम चुनाव के दौरान अनवर कादरी पर मतदाताओं को धमकाने और फर्जी वोट डलवाने की कोशिश करने का आरोप लगा था। घटना 6 जुलाई 2022 को शासकीय कस्तूरबा कन्या स्कूल स्थित मतदान केंद्र की है। आरोप है कि इस दौरान कादरी ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई और वहां मौजूद अधिकारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस; पहली बार आज राजवाड़ा पर होगा सामूहिक योग

केंद्रीय मंत्री सिंधिया होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि; पीएम-सीएम- के उद्बोधन का होगा सीधा प्रसारण

इंदौर (एजेंसी)। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज 21 जून को इंदौर के राजवाड़ा पर सामूहिक योग का कार्यक्रम होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से यह आयोजन पहली बार इस ऐतिहासिक इमारत में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होंगे। इस आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी हैं। गुरुवार को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मंत्री सिलावट ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूरी हो जाएं। कार्यक्रम 21 जून को सुबह ठीक 6 बजे से प्रारंभ होगा। सुबह 6.30 बजे से 6.40 बजे तक भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। सुबह 6.40 बजे से 7 बजे तक विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण होगा। सुबह 7 बजे से 7:45 तक सामान्य योग प्रोटोकाल का योगाभ्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यार्थी, युवा, नागरिक आदि सामूहिक योग करेंगे।

बताया गया कि कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी और सभी विधायक मौजूद रहेंगे। इस बार पीएम की मंशानुसार योग के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए 11वें विश्व योग दिवस पर प्रमुख पर्यटक स्थलों पर सामूहिक योग के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योग दिवस का यह कार्यक्रम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर हो रहा है।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, मुकुट और आभूषण अर्पित कर किया भव्य श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार तड़के पारंपरिक तरीके से भस्म आरती की गई। सुबह सबसे पहले मंदिर के कपाट खोले गए। सभा मंडप में वीरभद्र जी के कान में स्वस्तिवाचन किया गया और भगवान की अनुमति लेने के बाद चांदी का पट खोला गया। इसके बाद गर्भगृह के द्वार खोले गए। पुजारियों ने पहले भगवान का श्रृंगार उतारा, फिर पंचामृत (दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस) से भगवान का अभिषेक और पूजन किया। इसके बाद कर्पूर से आरती उतारी गई। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन हुआ। भगवान महाकाल को रजत (चांदी) का त्रिशूल, मुकुट और आभूषण पहनाकर श्रृंगार किया गया। साथ ही भांग, चंदन, सूखे मेवे और भस्म भी चढ़ाई गई। भगवान को शेषनाग का चांदी का मुकुट, मुण्डमाल, रुद्राक्ष की माला और फूलों की सुगंधित माला पहनाई गई। अंत में फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान को विशेष भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म चढ़ाने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

गायक अमेय के इंदौर में 22 जून को दो शो

इंदौर (एजेंसी)। संगीत प्रेमियों और श्री कृष्ण के भक्तों के लिए मशहूर गायक अमेय डबली के ऑल इंडिया टूर 'कृष्णा म्युजिक, ब्लिस एंड बियांड' की शुरुआत इंदौर से 22 जून को होगी। इस दिन वे लाभ मंडपम हॉल में अपने दो विशेष शोज के जरिए कृष्ण भक्त और संगीत प्रेमियों को लाइव परफॉर्मेंस देंगे। गुरुवार को उन्होंने मीडिया से अपने जीवन के सफर को साझा किया। उन्होंने बताया कि कॉर्पोरेट बैंकर की नौकरी इसलिए छोड़ी क्योंकि मुझे लगा कि संगीत के जरिए देश और लोगों की सेवा करनी चाहिए। मुझे भारतीय सेना के लिए भी देश के अलग-अलग कोनों और सीमाओं पर गाने का अवसर मिला है। संगीत मेरे लिए देश को कुछ लौटाने का जरिया है। पिछले 14 सालों में उन्होंने 4 हजार से ज्यादा कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दी है। इस बार का टूर कुछ अलग है। अब वे अपनी आध्यात्मिक और सुकून देने वाली संगीत यात्रा को देश के हर कोने तक पहुंचाना चाहते हैं और यह टूर भारत के 11 शहरों में होने वाला है।

युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

परिवार बोला- विवाद के बाद मिल रही थी धमकी, पहले भी एक बेटे की हत्या हुई थी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले 24 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक बॉबी यादव टाइल्स लगाने का काम करता था। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पहले एक युवक से हुए विवाद के बाद उसे लगातार धमकियां मिल रही थीं। घटना गुरुवार शाम की है। विकास नगर निवासी बॉबी (पुत्र राजेश यादव) का शव घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला। पिता राजेश यादव ने बताया कि गुरुवार को काम न होने के कारण बॉबी घर लौट आया था और दोपहर बाद अपने कमरे में सोने चला गया। जब देर शाम तक वह बाहर नहीं निकला तो उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा, जहां बॉबी फांसी पर लटका हुआ मिला। परिजन तुरंत उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता राजेश यादव ने पुलिस को बताया कि बॉबी उनका इकलौता बेटा था। उनके एक बेटे की हत्या पहले ही 2021 में हो चुकी है। कुछ दिन पहले बॉबी का तिवारी नामक युवक से विवाद हुआ था, जिसमें उसने थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद से तिवारी और उसकी मां बॉबी को लगातार धमका रहे थे।

सोनम को यूपी ले गए, ड्राइवर से पूछताछ

आज भी इंदौर में रहेगी शिलॉन्ग पुलिस, 3 दिन में 10 से ज्यादा लोगों से सवाल-जवाब

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में आरोपी सोनम जिस टैक्सी से इंदौर से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पहुंची थी, उसके ड्राइवर तक पुलिस पहुंच गई है। शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम ने गुरुवार को टैक्सी ड्राइवर से एक घंटे तक पूछताछ की है। गुरुवार को ही इंदौर के क्राइम ब्रांच थाने में सोनम के यहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इनमें दो युवतियां शामिल हैं। उधर, राजा की हत्या के पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। बाकी तीन आरोपियों- विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस 17 जून से इंदौर में है। इस दौरान दस से ज्यादा लोगों से सोनम के बारे में जानकारी निकाली है। पहले दो दिन तो टीम अलग-अलग स्पॉट पर गई, जबकि तीसरे दिन क्राइम ब्रांच थाने में बैठकर सोनम के बारे में जानकारी जुटाई। संभावना है कि शिलॉन्ग एसआईटी शुक्रवार को भी इंदौर में रुक सकती है।

इंदौर में तीन दिन में इन लोगों से हो चुकी पूछताछ

पहला दिन (17 जून): शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी ने सबसे पहले राजा रघुवंशी के परिवार से पूछताछ की। करीब दो घंटे टीम उनके घर रुकी। राजा के दोनों बड़े भाई- सचिन, विपिन और उनकी मां उमा रघुवंशी से सोनम के व्यवहार के बारे में जाना। इससे पहले टीम देवास नाका स्थित उस फ्लैट पर भी गई थी, जहां सोनम वारदात के बाद रुकी थी।

दूसरा दिन (18 जून): शिलॉन्ग की टीम सोनम के भाई गोविंद को लेकर उसके घर पहुंची। करीब दो घंटे गोविंद और उसके परिवार के लोगों से पूछताछ की। सोनम के सामान को भी चेक किया। इसके बाद टीम गोविंद के ऑफिस और उनके गोडाउन भी गई। यहां भी कुछ लोगों से पूछताछ की और जरूरी डॉक्यूमेंट्स चेक किए। यहां से पुलिस अफसर राज कुशवाह के घर गए, जहां परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटाई।

तीसरा दिन (19 जून): शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी ने इंदौर क्राइम ब्रांच थाने पर कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलवाया था। सोनम का भाई गोविंद अपने यहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों को लेकर पहुंचा। इनमें दो युवतियां भी शामिल थीं। तीनों कर्मचारियों से भी काफी देर तक पूछताछ की गई।

टैक्सी को टेक्निकल डेटा से किया ट्रेस

जिस टैक्सी से सोनम इंदौर से उत्तर प्रदेश रवाना हुई थी, उसके ड्राइवर तक भी पुलिस पहुंच गई है। सूत्रों का कहना है कि टेक्निकल डेटा के आधार पर टीम ड्राइवर तक पहुंची। टैक्सी ड्राइवर पीयूष से भी एक घंटे तक क्राइम ब्रांच थाने पर पूछताछ की गई।

राजा का भाई बोला- रिमांड 8 दिन और बढ़ानी चाहिए

राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने सोनम और सभी आरोपियों की पुलिस रिमांड बढ़ाने की मांग की है। विपिन ने कहा- सोनम ने जुर्म कबूल नहीं किया है, वो पुलिस को गुमराह कर रही है। सोनम और बाकी सभी आरोपियों से सच्चाई निकलवानी है, तो इनकी रिमांड को आठ दिन और बढ़ाना जरूरी है।

विपिन ने कहा- अभी भी कई बातें हैं, जो छिपी हुई हैं। उन्होंने बताया- शिलॉन्ग पुलिस ने हम सभी से सोनम के व्यवहार के बारे में पूछताछ की। जैसे- सोनम कितने दिन घर में रही, क्या उस पर शक हुआ, फोन यूज करते हुए देखा।

राजा के भाई को एक लड़की पर शक

विपिन रघुवंशी ने कहा- मामले में अलका का नाम भी आया है। उसे कभी देखा नहीं। फिलहाल, वह घर पर नहीं है। ऑफिस में काम करती थी या नहीं, ये जानकारी भी नहीं है। विपिन ने सोनम के नार्को टेस्ट की मांग भी की है।

गांजा सप्लाई करने आए दो तस्कर पकड़ाए

पुलिस ने ग्राहक बनकर डिलीवरी के लिए बुलाया, 20 किलो गांजा बरामद

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के खजराना इलाके में पुलिस ने 20 किलो गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ग्राहक बनकर यह कार्रवाई की। आरोपियों को डिलीवरी के लिए बुलाया गया था, जहां पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। टीआई मनोज सेंधव को जानकारी मिली थी कि बदनावर के गोडीखेड़ा गांव के प्रेम (पुत्र अमर खदेड़ा) और सोमा (पुत्र माना अंसारी) गांजा बेचते हैं और इंदौर में भी इसकी सप्लाई करते हैं। इसके बाद पुलिस ने एक टीम बनाकर आरोपियों से ग्राहक बनकर बात की। पुलिस ने दोनों को गांजा देने के लिए खजराना बुलाया। जैसे ही आरोपी पहुंचे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। दोनों के पास से करीब 20 किलो गांजा बरामद किया गया। फिलहाल पुलिस यह पता लगा रही है कि वे गांजा किन-किन लोगों को बेचते थे और इसमें और कौन शामिल है।

कर्ज में फंसा तो बन गया लुटेरा, एक दर्जन मोबाइल बरामद

इंदौर के तिलक नगर थाना पुलिस ने मोबाइल लूट के एक मामले में एक युवक को पकड़ा है। आरोपी के पास से एक दर्जन से ज्यादा लूटे और चोरी किए गए मोबाइल मिले हैं। 6 जून को करिश्मा गुर्जर के साथ मोबाइल लूट हुई थी। पुलिस ने जांच के बाद रामूखेड़ी निवासी अखिलेश रावत को गिरफ्तार किया। वह पहले खुड़ैल इलाके की एक फैक्ट्री में काम करता था। उस पर काफी कर्ज हो गया था, इसी वजह से उसने लूट करना शुरू कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने किन-किन लोगों के मोबाइल लूटे हैं और क्या वह किसी गैंग से जुड़ा है।

इंदौर में जून महीने में आधा इंच बारिश

10 दिन में पूरा हो सकता है 5 इंच का कोटा; आज तेज बारिश के आसार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में शुक्रवार को सुबह से बादल छाए हुए थे। मौसम वैज्ञानिकों ने आज तेज बारिश के आसार जताए है। इससे पहले, गुरुवार को शहर में आधा इंच बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस से राहत मिली है। हालांकि, जून के महीने में बारिश का कोटा 5 इंच का होता है लेकिन अभी करीब 1 इंच बारिश ही हुई है। फिलहाल, जिस तरह से मौसम का सिस्टम बना हुआ है, उससे उम्मीद है कि बाकी 10 दिनों में जून का कोटा पूरा हो सकता है।

दिन और रात के तापमान में 3 डिग्री का अंतर

गुरुवार को दिन का दिन का तापमान 6 डिग्री लुढ़ककर 25.6 (-10) डिग्री सेल्सियस पर रहा। यह सामान्य से 10 डिग्री कम है। ऐसे ही रात का तापमान दो डिग्री लुढ़ककर 22.8 (-1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम है। खास बात यह कि अभी दिन और रात के तापमान में सिर्फ 3 डिग्री का ही अंतर है। इससे लोगों को दिन और रात में उमस से जरूर राहत मिली है।

अगले 4 दिन बारिश के आसार

अगले तीन-चार दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। अभी दो कम दबाव के क्षेत्र और तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव हैं। इनसे अगले 4 दिन इंदौर सहित प्रदेश के कई जिलों में कहीं भारी तो कहीं अति भारी बारिश हो सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक वर्तमान में लो प्रेशर एरिया, तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और दो टर्फ की एक्टिविटी है। एक टर्फ प्रदेश के पास से गुजर रही है। इन वजहों से प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है।

फरदीन ने कमल बन की दोस्ती, फिर छात्रा से दुष्कर्म

धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव, पीड़िता की दोस्त भी बोली- प्यार करती हो तो इस्लाम अपनाओ

इंदौर (एजेंसी)। विजयनगर इलाके में एक छात्रा से नाम छिपाकर दोस्ती करने, रेप, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामला सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठन छात्रा को लेकर थाने पहुंचे थे। हिंदूवादियों के मुताबिक, आरोपी करीब चार साल से छात्रा का शोषण कर रहा था। विजयनगर पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर कमल उर्फ फरदीन खान (निवासी गुना) और उसकी सहेली जोया खान (निवासी खजराना) के खिलाफ केस दर्ज किया है। छात्रा को लेकर हिंदूवादी नेता मानसिंह राजावत, लक्की सहित अन्य लोग गुरुवार को थाने पहुंचे थे।

नानी के घर मिला था आरोपी, पहचान छिपाकर की दोस्ती

छात्रा की मां ने पुलिस को बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने अपनी बेटी को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल फोन दिया था। हाल के दिनों में बेटी बहुत परेशान नजर आ रही थी। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने कुछ नहीं बताया। संदेह होने पर जब मोबाइल फोन देखा गया, तो उसमें बेटी और एक युवक की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिले। पूछताछ करने पर बेटी ने बताया कि नानी के घर लॉकडाउन के समय गुना में एक लड़का मिला, तब उसने अपना नाम कमल बताया। दोनों में दोस्ती हो गई। कमल 6 जनवरी 2023 को नानी के घर पर आया तब कोई भी घर पर नहीं था, उस समय उसने रेप किया और कुछ अश्लील फोटो और वीडियो मोबाइल में बना लिए। इसके बाद कई बार रेप किया। छात्रा ने बताया कि कमल ने 19 फरवरी 2023 को अपने दोस्त रितेश के भंवरकुआ स्थित रूम पर भी ज्यादती की। यहां रितेश कमरे के बाहर खड़ा रहा।

आधार कार्ड से असली नाम पता चला

6 जनवरी 2025 को पीड़िता जब मामा के बेटी की सगाई में गुना गई थी, वहां पर फिर कमल मिला, जो गुना की स्काई पैलेस होटल लेकर गया। होटल में दोनों ने अपने आधार कार्ड दिए, तब छात्रा को पता चला कमल का असली नाम फरदीन है। यहां इस बात को लेकर दोनों का विवाद हुआ। तब छात्रा ने संबंध बनाने से इनकार किया तो कमल उर्फ फरदीन ने अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद जबरदस्ती की।

दोस्त बोली- प्यार करती हो तो इस्लाम कुबूल करो

छात्रा ने अपनी स्कूल दोस्त जोया खान को मदद के चलते यह बात बताई तो उसने मदद करने के बदले कहां कि फरदीन से प्यार करती हो, शादी करना चाहती हो, तो तुमको इस्लाम कबूल करना पड़ेगा और अगर नहीं करोगी तो फरदीन तुम्हारे फोटो वीडियो वायरल कर देगा, इसलिए इस्लाम कबूल कर लो। इसके बाद छात्रा परेशान रहने लगी। पुलिस ने इस मामले में फरदीन खान और जोया को आरोपी बनाया है। दोनों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

संपादकीय

नई टोल टैक्स योजना!

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर नई टोल टैक्स योजना के तहत 3 हजार का पास जारी करने के ऐलान से फिलहाल दो फायदे होंगे, एक तो सरकार के पास काफी पैसा एडवांस आ जाएगा, दूसरे निजी वाहन चालकों को टोल की लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। गौरतलब है कि मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों ऐलान किया था कि वो टोल टैक्स को लेकर नई योजना लेकर आ रहे हैं। यह घोषणा उसीके अनुपालन में है। मंत्री गडकरी के अनुसार 15 अगस्त, 2025 से पूरे साल के लिए फास्टैग का पास बनना शुरू होगा। इस पास से एक साल के भीतर 3000 रुपये में 200 से ज्यादा बार सफर किया जा सकेगा। वर्तमान में फास्टैग को किसी भी UPI प्लेटफॉर्म से रिचार्ज किया जा सकता है। इसके लिए 100 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक रिचार्ज का विकल्प होता है। लेकिन इस वार्षिक पास के लिए भुगतान के लिए आपको मोबाइल में ऐप डाउनलोड करना होगा। यह पास राजमार्ग यात्रा ऐप के जरिए हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा NHAI/MoRTH की ऑफिशियल वेबसाइट से भी आप भुगतान किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर एक लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

नितिन गडकरी के ट्वीट के मुताबिक इस नीति से टोल बूथ को लेकर चले आ रहे विवाद भी खत्म हो जाएंगे और लोगों को सुगम यात्रा का अनुभव होगा। लेकिन यह योजना केवल नॉन कमर्शियल यानी निजी वाहनों के लिए ही है। कमर्शियल वाहनों से पूर्ववत फास्टैग के जरिए ही टोल टैक्स लिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अभी टोल टैक्स खत्म नहीं होंगे। हो सकता है कि इस बारे में नई योजना का परिणाम देखने के बाद कोई फैसला हो। इस योजना की खामी यह है कि वर्तमान में यह केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए ही है। जबकि इसकी तुलना में कई गुना ज्यादा संख्यास राज्य राजमार्गों पर चलने वालो की होती है। इसे सभी जगह लागू किया जाता तो बेहतर होता। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सालाना पास लेने वालों के लिए टोल नाकों पर अलग से लेन होगी या नहीं? क्योंकि अगर लंबी लाइन में ही लगना पड़ेगा तो लोग इस योजना का लाभ लेने से हिचकेंगे। बहरहाल इस योजना से सरकार का खजाना निश्चित ही भरेगा। मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों संसद में बताया था कि सरकार को नेशनल हाईवे से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत चलने वाले टोल बूथों पर टैक्स के तौर पर 1.44 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगभग 983 टोल नाके हैं। सरकार को इनसे होने वाली कमाई हर साल बढ़ रही है। अकेले गुजरात में NH-48 के वडोदरा-भरूच हिस्से में स्थित इस टोल प्लाजा ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों (2019-20 से 2023-24) में 2043.81 करोड़ रुपये का टोल जमा किया। टोल कमाई की लिस्ट में दूसरा नंबर राजस्थान के शाहजहांपुर टोल प्लाजा का है। इसमें दो राय नहीं कि टोल व्यवस्था से देश में राजमार्गों का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है। लोगो को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सड़कों पर आवागमन का सुख मिल रहा है। क्योंकि सड़क परिवहन केवल लोगों के यातायात ही नहीं बल्कि माल परिवहन और व्यापार व्यवसाय के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बल्कि यूं कहें कि अच्छी सड़क विकास की पहली सीढ़ी है। लेकिन देश में बढ़ते टोल नाकों के साथ अब टोल नाकों पर लगने वाली लंबी लाइनों के कारण सफर में ज्यादा समय लग रहा है, जिससे अच्छी सड़क का फायदा कम हो जाता है। लोग टोल देने को तैयार हैं, लेकिन इसमें होने वाली समय की बर्बादी से छुटकारा पाना चाहते हैं।

युद्ध की दिशा में तय होगा भारत का हित

नजरिया

अवधेश कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इजरायल ईरान युद्ध संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने वाला है और भारत इसके परिणामों से किसी दृष्टि से अप्रभावित नहीं रह सकता। यह केवल तेल जैसे आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी इसके परिणाम दिखाई देंगे। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान और इराक युद्ध से इस समय भीषण युद्ध खाड़ी के अंदर चल रहा है। ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक, राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी। दूसरी ओर पूरे मुस्लिम जगत का एक बहुत बड़ा वर्ग मान रहा है कि अयातुल्लाह खामेनेई के नेतृत्व में इस्लामी क्रांति के पीछे जो दृश्य अदृश्य शक्तियां हैं वो ईरान को कभी पराजित नहीं होने देंगी। ईरान के हमले से तेल अबीब सहित कई जगह कुछ विध्वंस देखे गए। सर्वाधिक सुरक्षित हाइफा बंदरगाह के भी क्षति पहुंचाने के समाचार आए। यह भी सूचना हमारे बीच है कि इजरायल के मिसाइल को कई जगह ईरान ने रोकने में सफलता पाई तथा उसके मिसाइलों ने इजरायल की मिसाइल रक्षा प्रणाली तक को भी कई बार भेदा है। तो फिर इस युद्ध का सच क्या है और इसके परिणाम क्या हो सकते हैं?

भूगोल आबादी और संसाधन की दृष्टि से देखें तो ईरान का क्षेत्रफल इजरायल से 10 गुना ज्यादा तथा आबादी इससे भी ज्यादा है। दोनों के सुरक्षा बलों की संख्या में भी कोई तुलना नहीं है। कहां 90 लाख का देश और कहां 10 करोड़ की आबादी। उस आबादी में भी एक बड़े वर्ग के अंदर इस्लामी क्रांति के तहत जिहाद और मजहब के विजय की भावना भरी हुई। दूसरी ओर 1979 के बाद चाहे अयातुल्लाह खोमैनी हों या अयातुल्लाह खामेनेई या फिर वहां के निर्वाचित राष्ट्रपति, सबने धरती से इजरायल के नामोनिशान मिटाने की बार-बार घोषणा की और ईरान राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भी बना दिया। इसके बावजूद आज तक कुछ नहीं कर सके। उल्टे जितने युद्ध अरब में हुए इजरायल सबमें व्यावहारिक रूप से विजेता बनकर उभरा और कैंप डेविड से लेकर अभी तक सारे समझौतों में इजरायल के सामने बहुत कुछ खोने की नौबत नहीं आई। दूसरे, वर्तमान युद्ध में ईरान का सक्रिय साथ देने वाला एक भी देश इस समय नहीं है। जिस चीन, रुस, उत्तर कोरिया या कुछ इस्लामी देशों से उसे उम्मीद थी किसी ने भी इजरायल के विरुद्ध संघर्ष करने की तो छोड़िए, आक्रामक बयान तक नहीं दिया है। एकमात्र पाकिस्तान ने ही मुखर होकर ईरान का समर्थन किया। पाकिस्तान की हैसियत स्वयं इस्लामी जगत में ही इतनी बड़ी नहीं कि वह अपने साथ किसी देश को युद्ध के लिए खड़ा कर सके। ईरान के लिए यह हतप्रभ करने वाली स्थिति है कि संकट की इस घड़ी में कोई देश उसके साथ सक्रिय रूप से आगे नहीं आया। शांति की बात करने वाले कुछ देश जरूर हैं।

कुछ अन्य कारक भी ईरान के विरुद्ध और इजरायल के पक्ष में जाते हैं। इजरायल ने अभी तक ईरान के तीनों सेना प्रमुखों,अनेक शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सबसे एलिट माने जाने वाले इस्लामी क्रांति के बाद उत्पन्न ईरान रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख को एक ही हमले में समाप्त कर दिया। उसके साथ अनेक शीर्ष परमाणु नाभिकीय वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। उसके इंटेलिजेंस चीफ यानी खुफिया प्रमुख भी मारे जा चुके हैं। स्वयं अयातुल्लाह खामेनेई और उनके बेटे मोजताबा दोनों के बारे में इतनी जानकारी है कि वे कहीं छिपे हुए हैं। ध्यान रखिए, ईरान ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इजरायल के किसी बड़े सैन्य अधिकारी व नाभिकीय वैज्ञानिक आदि को मारने में सफलता नहीं पाई है। ईरान के मिसाइल इजरायल पर अंधा धुंध हमले कर रहे हैं और उसे ज्यादातर नागरिक स्थल ही ध्वस्त हुए हैं।? इस्लामी क्रांति के बाद आयतुल्लाह खोमैनी और खामेनेई ने ईरान को इस्लाम का नेता बनाने के लिए फिलिस्तीन मुद्दे को सबसे आगे किया। उन्होंने जिस तरह के भाषण दिए उससे विश्व भर के मुसलमानों के एक बड़े वर्ग के अंदर फिलिस्तीन की जज्बाती मजहबी समर्थन का भाव भी पैदा हुआ। सीधे संघर्ष की जगह ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हुती विद्रोही पैदा किया तो सुन्नियों के समर्थन के लिए इस्लामिक ब्रदरहुड के भाग के रूप में फिलिस्तीन में हमास। इन्हीं के माध्यम से वह इजरायल को लगातार घाव देता रहा है।

इजरायल ने ईरान पर निर्णायक हमले के पूर्व जो कुछ किया वह हमारे सामने है। उसने हिज्बुल्ला को नेस्तनाबूत किया और उसके प्रमुख नसीरूल्लाह सहित सारे शीर्ष कमांडरों को समाप्त कर दिया। लेबनान को इस स्थिति में नहीं छोड़ा कि वह ईरान के साथ खड़ा हो सके। हमास को भी विनाश के कगार पर पहुंचा दिया और उसके प्रमुख इस्माइल हानियां तक को पिछले साल खत्म कर दिया। हूती को अमेरिका के साथ कमजोर किया। हालांकि इस समय हुती लाल सागर में गतिविधियां दिखा रहे हैं लेकिन उन पर भी जबरदस्त मार पड़ रही है। इसके साथ इजरायल धीरे-धीरे ईरान के प्रमुख शीर्ष सैन्य रणनीतिकारों और नाभिकीय वैज्ञानिकों तक को मौत के घाट उतारता रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल की पश्चिम एशिया यात्रा के दौरान सीरिया के सत्ता पर काबिज पूर्व आतंकवादी अहमद अल शराब उर्फ अबू मोहम्मद अल जुलानी से हाथ मिलाया तो उसके पीछे भी रणनीति थी कि वह इब्राहिम अकॉर्ड यानी समझौता पर हस्ताक्षर करे जिसमें इसराइल को मान्यता देने की बात है। वे जिन देशों में गए वहां उन्होंने ईरान के विरुद्ध इजरायल के पक्ष में वातावरण बनाया। इसका परिणाम देखिए कि हमास के समर्थक कुछ पत्रकारों को अरब देशों के अंदर ही गिरफ्तार कर सजा दी गई या उन्हें मार डाला गया। इनमें सऊदी अरब भी शामिल है जो कट्टर सुन्नी देश है। आज स्थिति यह है कि मोहम्मद पैगंबर साहब के वंशजों के शासन के अधीन वाला देश जॉर्डन इजरायल के विमान को जाने की अनुमति दे रहा है लेकिन ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका पूरी तरह इजराइल के साथ खड़ा है और अगर ईरान का पलड़ा कहीं से मजबूत दिखा तो वह कभी भी हस्तक्षेप करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की तो उसके पीछे भी निश्चित रूप से उन्हें इस युद्ध से दूर रहने के लिए तैयार करना रहा होगा। भारत की दृष्टि से देखें तो ईरान से हमारे संबंध अच्छे माने जाते हैं। पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति से लेकर अन्य रणनीतिक मामलों में ईरान के समुद्री मार्गों की हमें आवश्यकता है। दूसरी ओर ईरान से संबंधों की सीमाएं रही है। पिछले वर्ष अयातुल्लाह खामेनेई ने भारतीय मुसलमान की फिलिस्तीन से तुलना करते हुए पोस्ट लिखा था। कश्मीर मामले पर उसका बयान भारत विरुद्ध रहा है। पाकिस्तान में उसका लक्ष्य केवल सुन्नी मुसलमानों के शासन को मजबूत नहीं होने देना है अन्यथा उसकी नीति कहीं भी भारत के पक्ष में नहीं है। बलूचिस्तान के एक भाग पर उसका कब्जा है तथा वह भी पाकिस्तान की तरह ही बलूचियों का दमन कर रहा है। ईरान का पूरा इतिहास देखें तो कभी भी कठिन परिस्थिति में वह भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ।

इसलिए जो लोग भी ईरान को लेकर छाती पीट रहे हैं उन्हें भारत के साथ संबंधों में इजरायल और ईरान के व्यवहार की निष्पक्षता और ईमानदारी से तुलना करनी चाहिए। कोई नहीं कहता कि आयतुल्लाह खामेनेई का ईरान अचानक घुटने टेक देगा। उसके पास मिसाइल, ड्रोन, लड़ाकू विमानों से लेकर बड़े शस्त्रागार हैं। किंतु वह इजरायल या उसके साथ देने वाले अमेरिका के मुख्य सामरिक स्थलों को ध्वस्त कर उन्हें हमला न करने की स्थिति में लाने की क्षमता नहीं दिखा पाया है। तो इस युद्ध के परिणाम ईरान के पक्ष में नहीं जा सकते। इसमें अगर अयातुल्लाह खामेनेई का पतन होता है तो यह 1979 के इस्लाम के नाम तथाकथित क्रांति द्वारा सत्ता कब्जाने तथा उसके बाद पैदा हुए संपूर्ण अरब में कट्टरपंथ के दौर के बाद का एक नया चरण आरंभ होगा। इसका प्रभाव विश्व एवं भारत पर निश्चित रूप से पड़ेगा।

संवाद से समाधान है अहिंसक क्रांति का शंखनाद

आयोजन

देवेन्द्र ब्रह्मचारी
लेखक विचारक हैं।

लंबे समय से दुनिया में युद्ध का माहौल बना हुआ है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अब इजरायल-ईरान के बीच विनाशकारी युद्ध के साथ-साथ परमाणु युद्ध की संभावनाओं ने मनुष्य जीवन के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा दिये हैं। देश और दुनिया का जीवन जहां हिंसा, युद्ध और आतंकवाद के सूली पर चढ़ा हुआ है, वहीं विकृतियां एवं विसंगतियां के कोहराम में जीवन मूल्य, आस्था और अहिंसा दम तोड़ रही है। इन विषम स्थितियों में प्रश्न है कि मानवता को बचाने के लिए कौन आगे आएगा? कौन मानवता के लिए त्राण बनेगा? कौन विध्वंस और विनाश से बचायेगा? इन संकटकालीन स्थितियों में एक रोशनी है भगवान महावीर। इन जटिल से जटिलतर होते हुए माहौल में भगवान महावीर के अहिंसा एवं शांति संदेश को देश और दुनिया में पहुंचाने के लिए महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में 'संवाद से समाधान' एक परिचर्चा की श्रृंखला प्रारंभ की गयी है, जिसके अंतर्गत 23 जून 2025 को आर्थिक राजधानी मुंबई में एक अहिंसा का शंखनाद होने जा रहा है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस विशिष्ट अतिथि होंगे। जैन श्रद्धालु बड़ी संख्या में तीर्थंकर भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर समाज, राष्ट्र एवं दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्यरत होने के लिए संकल्पित होंगे।

आदि तीर्थंकर ऋषभ की परम्परा के ही अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज के पूजनीय है। महावीर की शिक्षाओं की उपादेयता सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, दुनिया के तमाम लोगों ने इनके जीवन एवं विचारों से प्रेरणा ली है। सत्य, अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह ऐसे सिद्धान्त हैं, जो हमेशा स्वीकार्य रहेंगे और विश्व मानवता को प्रेरणा देते रहेंगे। महावीर का संपूर्ण जीवन मानवता के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। इसलिए महावीर का धर्म एवं दर्शन आज के हिंसा, युद्ध, आतंक एवं आर्थिक विषमता के दौर में ज्यादा जरूरी है। समय के आकाश पर आज अनगिनत प्रश्नों का कोलाहल है। महावीर ने जो उपदेश दिया हम उसे आचरण में क्यों नहीं उतार पाए? मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था और विश्वास कमजोर क्यों पड़ा? ये ऐसे प्रश्न हैं जो हमारे जीवन को जटिल और समस्याग्रस्त बना रहे हैं। मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है।

भगवान महावीर के कालजयी सिद्धांत 'जीयो और जीने दो' तथा भारतीय मनीषा के मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आलोक में समकालीन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय युद्ध, आतंकवाद एवं हिंसा की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सामाजिक और मानवीय मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श-महामंथन का यह एक अनुष्ठान है, विमर्श-कुंभ है। जिससे युद्ध के माहौल में अयुद्ध, हिंसा नहीं अहिंसा, अमानवीयता नहीं मानवीयता का संदेश दिया जाएगा। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज की समस्याओं का समाधान आज प्रस्तुत करने के ध्येय के साथ 'संवाद से समाधान' कार्यक्रमों की शृंखला प्रारंभ की गयी है। अस्तित्व को पहचानने, दूसरों के अस्तित्वों से जुड़ने, सामाजिक पहचान बनाने, अपने अस्तित्व को समाज, देश और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने के लिए यह विशिष्ट उपक्रम अस्तित्व में आया है। जिसके साथ देश और दुनिया की सकारात्मक और अहिंसात्मक शक्तियों को जोड़ा गया है। समाज में नई मूल्यों की स्थापना कर उसे सुंदर शक्ल देने की जिम्मेदारी इस उपक्रम पर है। आम आदमी कोई बड़ी लकीर नहीं खींच सकता। वह निर्धारित नीतियों पर चल सकता है, पर कुछ नया करने का साहस उसमें नहीं होता है। इसी दृष्टि से यह आवश्यक प्रतीत होता है कि देश और दुनिया की सकारात्मक शक्तियां एकत्रित होकर सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और वैश्विक स्थितियों और मूल्यों के विषय में चिंतन करे और आने वाली पीढ़ी के लिए ठोस धरातल का निर्माण करे। इस दृष्टि से भगवान महावीर का दर्शन सर्वाधिक कारगर और उपयोगी है।

'संवाद से समाधान' का मुख्य उद्देश्य महावीर के संदेशों को देश और दुनिया में पहुंचाना एवं देश और दुनिया की जटिल समस्याओं से निपटने का प्रयास करना है। युगीन मनोरचना में अनुशासन के स्थान पर स्वच्छंदता, त्याग के स्थान पर भोगवाद, संयम के स्थान असंयम, अहिंसा के स्थान पर हिंसा अधिक सक्रिय है। ऐसी स्थितियों में सकारात्मक शक्तियां किस तरह से सामाजिक अनुशासन, अहिंसा, संयम में अपना योगदान दे सकती है? इन शक्तियों को विनयजीवी बनना होगा। वे महावीर मनीषा तक पहुंचकर नई दृष्टि प्राप्त करे। वे इस बात को समझें कि अक्षर के बिना भी अक्षय की साधना हो सकती है। शब्दों की सिद्धि के बिना शब्द भी व्यर्थ हो जाते हैं। देश की युवापीढ़ी को बुद्धि के साथ करुणा, अहिंसा एवं शांति की लोकयात्रा के लिए आगे बढ़ाना है।

युग की समस्याओं के लिए महावीर ही क्यों? भगवान महावीर में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और संयम के सभी तत्वों का समाहार है। महावीर ऐसा शब्द है जो अखण्ड व्यक्तित्व का प्रतीक है। 'संवाद से समाधान' के रूप में जो अभियान शुरू हो रहा है वह अखण्ड व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। वह अहिंसक और शांति प्रिय मनुष्य के निर्माण की योजना है। वह आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। खण्डित व्यक्तित्व समस्याएं पैदा करता है। बुद्धि निर्माणकारी ही नहीं विध्वंसक भी है। बुद्धि के साथ नेगेटिव एटीच्यूड जुड़ने से खतरे ज्यादा बढ़ गये हैं। बुद्धि के साथ भावनात्मक विकास हो तो वह कामधेनु बन सकती है। आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है।

'संवाद से समाधान' एक ऐसा राष्ट्रीय मंच है जहां धर्म, समाज, शासन, शिक्षा और उद्योग जगत के विभिन्न आयामों से जुड़े विचारक व संत, संवाद के माध्यम से समाधान की खोज करते हैं। इसका उद्देश्य है संवाद के जरिये करुणा, अहिंसा, समरसता और नैतिकता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी एवं अंतरराष्ट्रीय अभियान की शुरुआत है, जो भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के अनेक देशों में करुणा और शांति का संदेश लेकर पहुंचेगा। भविष्य की अजानी राहों में पांव रखते समय यदि हम महावीर की शिक्षाओं का आलोक साथ में रख पाये तो उस मार्ग में कहीं भी अवरोध नहीं आएगा।

महावीरायतन फाउंडेशन अपनी विविध मानव कल्याणकारी एवं अहिंसा-शांति की गतिविधियों के लिए प्रयासरत है। हिंसा, युद्ध एवं आतंकवाद के नियंत्रण के लिए महावीर के अहिंसा एवं समाज दर्शन को कारगर मानते हुए इस बहुआयामी आयोजन की परिकल्पना की गयी है। यह आयोजना 'सच्चं लोयम्मि सारभूमं' का उच्चारण है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी होता है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे संकल्पित और एकात्ममुख करना जरूरी है। जैन समाज आस्थाशील समाज है। आस्था के धागे में बंधा हुआ समाज कठिन से कठिन चढ़ाई के मार्ग पर भी आरोहण करने में सफल हो सकता है। समाज केवल धर्म के आधार पर नहीं चलता। उसे धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना की भी अपेक्षा रहती है। इस बहुमुखी चेतना को स्वर देने के लिए ही 'संवाद से समाधान' की योजना अस्तित्व में आयी है। लाखों लोगों के समाज में किसी कोने में कोई स्वर उभरे और वह वहीं खो जाये तो उस स्वर का कोई अर्थ नहीं रह जाता। एक स्वर लाखों लोगों का स्वर बने तो उसमें एक शक्ति पैदा होती है। ऐसी शक्ति जो सारे संसार को हिला सके, यह तभी हो सकता है जब एक स्वर लाखों लोगों तक पहुंच जाए, देश और दुनिया तक पहुंच जाए। इसी ध्येय से 'संवाद से समाधान' वर्तमान की एक ठोस उपलब्धि बनने की ओर अग्रसर है। यह समस्याग्रस्त दुनिया के लिए एक कल्पवृक्ष की भांति है। कल्पवृक्ष की छांव में रहने वाले लोग पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं।

आज गायब होगी परछाई

खगोलीय घटना

संजय वर्मा 'दृष्टि'

उज्जैन के समीप ग्राम डोंगला में 21 जून को शनिवार दोपहर 12 बजे के बाद खगोलीय घटना होगी। सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायन में गमन करेगा और कर्क राशि में प्रवेश करेगा साथ ही कर्क रेखा ग्राम डोंगला से होकर गुजरती है। सूर्य कर्क रेखा पर लंबवत होने के कारण परछाई कुछ समय के लिए नहीं दिखती। इस दिन से रातें लंबी व दिन छोटे होने लगते है। ग्राम डोंगला में वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में शंकु यंत्र के माध्यम से शून्य छाया का अवलोकन भी किया जा सकता है एवं जंतर मंतर (यंत्र महल) उज्जैन से भी खगोलविदों से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम डोंगला में शून्य रेखा व कर्क रेखा का क्रॉस बिंदु पर प्लेट फार्म बनाकर उस स्थान को चिन्हित किया गया है 721 जून को उत्तरी गोलार्द्ध वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे छोटा दिन होता है। इस समय के दौरान, पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव सूर्य की ओर अपने अधिकतम झुकाव पर होता है और सूर्य 23.5^{o} उत्तरी अक्षांश पर, यानी कर्क रेखा के साथ सीधे ऊपर की ओर दिखाई देता है। 21 जून को कर्क रेखा पर स्थित स्थानों पर सूर्य का प्रकाश कुछ पलों के लिए सीधे पड़ता है। जिसके कारण परछाई का विलुप्त होना होता है। खगोलीय घटना के अध्ययन हेतु खगोलशास्त्रियों और इस विषय में रूचि रखने वाले एकत्रित होते है। सूर्य ग्रहण और चंद्रग्रहण को खुली आँखों से नहीं देखना चाहिए। आने वाला चंद्र ग्रहण का अध्ययन किया जाना चाहिए। पिछले वर्ष को लगा चंद्र ग्रहण एक दुर्लभ घटना इसलिए माना जाता है कि इस दिन चन्द्रमा तीन रंगों में यानि सूपर मून, ब्लूमून ,और ब्लड मून, सूपर मून,पृथ्वी के करीब आने पर उसका आकर काफी बड़ा दिखता/ब्लड मून पृथ्वी के वायु मंडल से गुजरते हुई रौशनी जब चाँद पर पड़ती तब चन्द्रमा हल्का तांबे के रंग के सामान दिखाई पड़ता। ब्लूमून पूरे आकर में निकलना। ब्लूमून विगत वर्ष में बार दो बार निकला। पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर गिरती है उसे चंद्र ग्रहण कहते है। इस तरह की दुर्लभ संयोग वर्षो बाद घटित होता है। ग्रहण के दौरान अक्सर पूर्व से बनाए गए खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज किया जाता रहा। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। नदियों में स्नान की परम्परा सूतक काल के बाद की जाती है। ग्रहण का प्रभाव ज्योतिष गणना में भी शामिल किया जाता है। चंद्रमा की तीन रंगों की दुर्लभ खगोलीय घटना देखने के लिए और उसके बारे में समझने के लिए विद्यार्थियों और खगोलशास्त्र में रूचि रखने वालों के लिए ये संयोग बेहद उपयोगी रहा था। देखा जाये तो सूर्य ,चंद्र, मंगल ,बुध ,गुरु ,शुक्र एवं शनि ग्रह ज्योतिष गणना में प्रमुख माने गए है ।साथ ही राहु -केतु ग्रह,जिसका अपना अलग प्रभाव एवं कथाएँ प्रचलित है। ये भी ज्योतिष गणना का आधार मजबूत करते है ।

नए ग्रह जीजा,शेरॉन और सेरेंश की पूर्व में खोज की गई थी। वर्तमान में वैज्ञानिकों ने धरती के समान सात नए ग्रहों का पता लगाया,जहाँ पर पानी और जीवन मिलने की संभावना जताई है। ये ग्रह 40 प्रकाश वर्ष की दूरी पर एक तारे की परिक्रमा करते है। इन सात ग्रहों के नाम क्या रखे जाए? ये मुद्दा अब चर्चा में है। अब तक सौरमंडल के बाहर 3500 ग्रहों की खोज हुई है।नए सात ग्रह सूर्य से आउटर ग्रह की श्रेणी में आते है।जो ग्रह सूर्य से इनर की श्रेणी में है,उनमे गुरुत्वाकर्षण शक्ति तथा प्रभाव ज्यादा होता है। जो आउटर की श्रेणी में है,उनमें प्रभाव कम होता है। भविष्य में कई नए ग्रह आउटर श्रेणी में हो सकते।जिनकी खोज भविष्य में होगी एवं जिनका परिभ्रमण लाखों /करोड़ों साल में ब्रहाण्ड में होता होगा? सारांश वर्तमान में यह है कि माने गए 9 ग्रह अपना प्रभाव गुरुत्वाकर्षण के जरिए दिखाते आ रहे है। जिसके आधार पर ज्योतिष गणना का भी महत्व है। सूर्य से दूरी भी नए ग्रहों के प्रभाव को करती होगी? इसलिए भविष्य की गणना के लिए ज्योतिष में नए ग्रह सम्मिलित नहीं किए जाते होंगे। ऐसी परिस्थिति नए सात ग्रहों के साथ भी संभव बनेगी। खगोल वैज्ञानिकों ने ऑक्सीजन और मीथेन जैसे महत्वपूर्ण गैसों की खोज ,वहाँ पर इन नए ग्रहों पर बसने हेतु जीवन के उम्मीद की अंतरिक्ष में संभावना बनेगी। ग्रहण,परछाई का विलुप्त होना आदि खगोलीय घटनाओं की जानकारी ज्ञानार्जन में वृद्धि के लिए जहाँ आवश्यक है वही शोध के लिए हर बार एक नया आधार भी बनेगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

फिसलती जुबान और भूल चूक माफ

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं

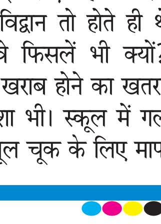

70 और 80 के दशक में स्कूल तो सरकारी ही होते थे। उन स्कूल में एडमिशन माता-पिता के सामाजिक स्टेटस देखकर हुआ करते थे। यानि सरपंच का बेटा, मुखिया की बेटी, हेड मास्टर का नाती, प्रगतिशील किसान की संतति आदि ऐसे वो मानक थे, जिनके दम पर आसानी से स्कूल में नाम लिख लिया जाता था। इन बातों का यहां कोई मतलब नहीं है, लेकिन यह तय है कि पुरातन स्कूलों में फिसलपट्टी नहीं होती थी, आजकल की निजी स्कूल या कॉन्वेंट संस्कृति के पोषक स्कूलों की तरह। इसलिए वहां से शिक्षित और दीक्षित होकर निकले बच्चे विद्वान तो होते ही थे। उनको फिसलना नहीं आता था। वे फिसलें भी क्यों? क्योंकि फिसलने से एकमात्र ड्रेस के खराब होने का खतरा होता था और शारीरिक चोट का अंदेशा भी। स्कूल में गलतियां भी होती थी। इसलिए स्कूल में भूल चूक के लिए माफ ऑप्शन तो होता ही था। सजा के दौर पर दंड बैठक या मुर्गा बनने का सौभाग्य भी मिलता था। आजकल बच्चे स्कूल में फिसल पट्टी में फिसल रहे हैं। उन्हें फिसलपट्टी पर फिसलने में ही मजा आता है, यह शिक्षा के साथ मनोरंजन का जरिया जरूर है, लेकिन अगर फिसलना आदत बन जाए तो फिर वह भूल चूक माफ के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है। आजकल स्कूल में दंड देना प्रतिबंधित हैं। इसलिए कॉन्वेंट स्कूल से निकले बच्चे उद्दंड हो गए हैं। यही बच्चे जब राजनीति के हाईवे पर दौड़ लगाते हैं तो वे फिसलते जरूर हैं। उनका फिसलना राष्ट्रीय नहीं अंतरराष्ट्रीय चर्चा का भी विषय बन जाता है। मीडिया को कुछ दिनों तक की खुराक वहां के एंकरों को भी मिल जाती है। खुद के फिसलने में भूल चूक माफ का तो सवाल ही नहीं उठता। इंसान फिसले तो केवल हंसी का पात्र बनता है, लेकिन अगर शरीर की अहम इंद्री जुबान फिसलने पर आ जाए तो वह किसी महामारी से कम नहीं होती। आजकल तो जबानें इतना फिसल रही है कि जबान रखने वाले को भान तक नहीं होता कि उसकी जबान फिसल गई है। फिर कहीं से भारी भरकम दबाव के बाद नैतिकता का कहीं जीव जागता है और भूल हो गई, चूक हो गई और माफ कर दो की संख्यात्मक गिनती आरंभ हो जाती है। फिसलने वाली जुबान के पक्ष में मीडिया आकर कहता है, देखो इतनी बार भूल स्वीकार ली। इतनी बार माफी मांग ली और अगला कितनी बार चूक स्वीकार करेगा। अब तो हमका माफी दई दो...। मजाल है कि कोई माफी देने को तैयार हो। आजकल जितनी तेजी से जुबान फिसल रही है उतनी तेजी से तो फिसलपट्टी पर बच्चे भी नहीं फिसल पाते। बयानों की माया भी बड़ी अजीब है। जब बयानवीर पावर में हो तो उसकी भूल चूक को उतना वजन नहीं मिलता, लेकिन अगर पावर विहीन है तो उसके लिए तो ट्रोलर्स तैयार हैं। जेल और कोर्ट के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। माफी का तो सवाल ही नहीं है। अब बताइए, कोई अगर भूल करने के बाद भी 'मैं झुकेगा नहीं स्याला' का मंत्र ही जाप करने लगे तो उसके लिए तो हर भूल चूक माफ ही रहेगी न। फिसलन की यह देश व्यापी महामारी नई नहीं है। इसने हर नेता, उपनेता, मंत्री, संत्री, पक्षी, विपक्षी और यहां तक कि सूबे के सरदारों तक को नहीं बख्शा। बड़े सरदार की जुबान तो इतनी चिकनी है कि फिसलने के वर्ल्ड रिकार्ड भी टूटने से नहीं बचा पाए। बारिश के मौसम में तो फिसलने वालों को देखकर हंसने वाले लोग क्या जुबान के फिसलने पर सवाल उठाएंगे? लेकिन, जो बिन बारिश फिसलते हैं उनका क्या? इंसान हो या जुबान इनके फिसलने का इंतजार तो अब राष्ट्रीय मीडिया भी करने लगा है। तौबा कर लेने, माफी मांग लेने, भूल स्वीकारने और चूक मान लेने से फिसलने का दोष नहीं लगता, चाहे वह इंसान हो या जुबान। ठीक वैसे ही जैसे ग्रहण लगने पर भोज्य और द्रव्य पदार्थों में तुलसी पत्ता रख भर देने से इसका दोष नहीं लगता। इसलिए भूल चूक माफ को पेटेंट करवाने की राष्ट्रीय मुहिम होना चाहिए। कहते हैं न गलती करने वाले से बड़ा उसे माफ करने वाला बड़ा होता है। जैसे विद्या दान को बड़ा बताया गया। वैसे ही माफी भी किसी दान से कम नहीं है। आइए माफी दान की थोड़ी प्रेक्टिस कर ली जाए ताकी फिर से जुबान को फिसलने का मौका दें।

योगदिवस का संदेश

मुरलीधर चाँदनीवाला

एक है पृथ्वी, वह सर्वांग स्वस्थ हो

धीरे-धीरे यह बात साफ होती जा रही है कि प्राणायाम और आसन को ही योग मान लेना एक संकुचित विचार है। जब पतंजलि ने 'योगः चित्तवृत्तिनिरोधः' कहकर योग की परिभाषा की होगी, तब वे भी जानते ही होंगे कि योग व्यष्टिगत चित्त की नहीं, समष्टिगत चित्त की वृत्ति का विषय भी है। मनुष्य जीवन की देखभाल हम सबको मिलकर करनी होगी। महान् ऋषियों के दिये हुए सूत्र सदियों बाद पकड़ में आते हैं। पृथ्वी दो नहीं है, एक ही है, लेकिन मनुष्य ने उसे कई टुकड़ों में बाँट दिया है। इस धरती पर जितने देश हैं, वे पृथ्वी के टुकड़े ही तो हैं। हमने उन टुकड़ों के भी कई छोटे-छोटे टुकड़े कर डाले। नया योग उन सब टुकड़ों को जोड़कर देखने की बात कहता है। हम सबका जुड़ जाना एक ऐसा योग है, जो दृढ़ संकल्प के साथ किया जाये तो निकट भविष्य में समाज का रूपांतरण सम्भव है। योग कोई सा भी हो, पर्याप्त इच्छाशक्ति के बिना क्या परिणाम देगा? वह एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें सरकार कोई बड़ी मदद नहीं कर सकती। वह उत्प्रेरक हो सकती है, जन-जागृति का तंत्र खड़ा कर सकती है, लेकिन हाथ-पाँव तो हमें ही चलाने होंगे।

योग अब केवल जप-तप-ध्यान और अध्यात्म का विषय नहीं रहा। वह अब केवल देह-साधना का विषय भी नहीं। योग को एक दिन के प्रदर्शन से बाहर लाकर उसे जनहित का आधार बनाने के प्रयास व्यापक स्तर पर चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबसे योग पर सबका ध्यान गया, तब से लेकर लगातार योग के नये-नये विमर्श सामने लाये गये हैं। पहले मनुष्यता के लिये योग आया, फिर वसुधैव कुटुम्बकम् के लिये। इस बार 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के लिये योग चर्चा में है।

धीरे-धीरे यह बात साफ होती जा रही है कि प्राणायाम और आसन को ही योग मान लेना एक संकुचित विचार है। जब पतंजलि ने 'योगः चित्तवृत्तिनिरोधः' कहकर योग की परिभाषा की होगी, तब वे भी जानते ही होंगे कि योग व्यष्टिगत चित्त की नहीं, समष्टिगत चित्त की वृत्ति का विषय भी है। मनुष्य जीवन की देखभाल हम सबको मिलकर करनी होगी। महान् ऋषियों के दिये हुए सूत्र सदियों बाद पकड़ में आते हैं।

पृथ्वी दो नहीं है, एक ही है, लेकिन मनुष्य ने उसे कई टुकड़ों में बाँट दिया है। इस धरती पर जितने देश हैं, वे पृथ्वी के टुकड़े ही तो हैं। हमने उन टुकड़ों के भी कई छोटे-छोटे टुकड़े कर डाले। नया योग उन सब टुकड़ों को जोड़कर देखने की बात कहता है। हम सबका जुड़ जाना एक ऐसा योग है, जो दृढ़ संकल्प के साथ किया जाये तो निकट भविष्य में समाज का रूपांतरण सम्भव है। योग कोई सा भी हो, पर्याप्त इच्छाशक्ति के बिना क्या परिणाम देगा? वह एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें सरकार कोई बड़ी मदद नहीं कर सकती। वह उत्प्रेरक हो सकती है, जन-जागृति का तंत्र खड़ा कर सकती है, लेकिन हाथ-पाँव तो हमें ही चलाने होंगे।

इसमें अब क्या संदेह कि टुकड़ों मे बँटे होने के कारण पृथ्वी असुरक्षित है, और पृथ्वी असुरक्षित होने के कारण मनुष्य भी। लगभग सभी देश किसी न किसी युद्ध की आशंका में जी रहे हैं। कब किधर से कौन भयावह विस्फोट कर दे कोई भी नहीं जानता। यूँ तो पूरा विश्व एक होता हुआ दिखाई देता है, लेकिन यह दिखाई देना केवल व्यापार-उद्योग-स्वास्थ्य और शिक्षा के लिये है। जब तक दो देशों की आत्माएँ परस्पर गले नहीं मिलेंगी, एक-दूसरे के अंतरंग में नहीं उतरेंगी, तब तक एक-दूसरे से खतरा बना रहेगा। इस समय पूरी पृथ्वी मनुष्य से अपने लिये आंतरिक ऊर्जा की मांग कर रही है। आंतरिक ऊर्जा का योग ही मनुष्य और पृथ्वी को पास लायेगा। हम सब मिलकर इस योग को बल दे सकते हैं, उसे पुष्ट कर सकते हैं।

हमारी आंतरिक और बाह्य ऊर्जा का समन्वय ही योग है। भारतीय विद्या के जानकार इस योग में स्वभावतः ही पारंगत होते हैं। वे अपने उत्कर्ष के लिये किसी छूट की उम्मीद नहीं करते, लेकिन सब का साथ मिल जाये तो वे ऊँची उड़ान के लिये तैयार खड़े मिलते हैं। प्रायः देखा भी गया है कि जब-जब भारत को दूसरे देशों का रचनात्मक सहयोग मिला, उन्होंने ऊँचाई को छुआ है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा वाला हमारा देश अन्य देशों की ताकत बन जाये, तो वह विश्व की सर्वांगीण समृद्धि की गारंटी भी देता है। 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य' के लिये योग के मायने भी यही हैं कि समाज इस विचार को मान्यता दे और विकसित विश्व का स्वप्न साकार हो।

पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिये सबसे ज्यादा जरूरी है मनुष्य जाति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य। मनुष्य तनाव में रहेगा, तो पृथ्वी को भी उसी अनुपात में

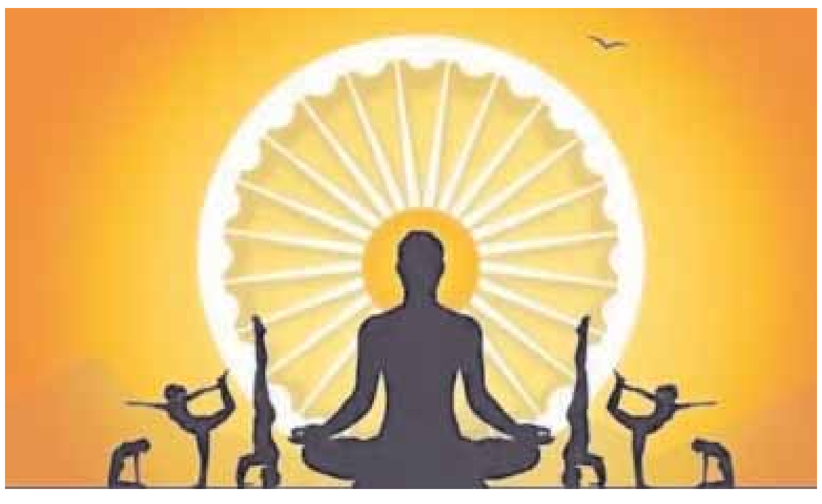

तनाव झेलना होगा। मनुष्य के बिना पृथ्वी तनाव-प्रबंधन नहीं कर सकती, और पृथ्वी के बिना मनुष्य भी असहाय है। समूची पृथ्वी का अपना एक मनोविज्ञान है, और वह मनुष्य के मन से जुड़ा हुआ है। नया योग कहता है कि समस्त पार्थिव सत्ताओं में एकता ही वह एकमात्र कुंजी है, जो पृथ्वी को स्वर्ग में बदल दे। वह कुंजी मनुष्य के पास है, लेकिन उसने अभी तक कुंजी का ठीक-ठीक उपयोग करना नहीं सीखा।

बीसवीं सदी के महायोगी श्री अरविन्द जब यह कहते हैं कि 'सम्पूर्ण जीवन ही योग है', तब यह अपरिहार्य हो जाता है कि 'योग' की पूरी पड़ताल हो, और एक सरलतम योगशास्त्र का प्रारूप हमारे सामने हो, जो पृथ्वी के जीवन को इस प्रकार दीक्षित करे कि वह शानदार और सामंजस्यपूर्ण तैयारी के साथ रह सके। योग का सम्बंध शारीरिक व्यायाम से ही नहीं, सम्पूर्ण पृथ्वी की उस एकता से भी है, जो विश्व के मन, विश्व के मस्तिष्क और विश्व के हृदय सहित विश्व की सम्पूर्ण चेतना पर अपना असर डालती है। योग पार्थिव सत्ताओं को उसकी गहराई में उतर कर प्रभावित करता है, इसलिये यह काम उन बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों को सौंपा जाना चाहिए, जो संस्कृति और शिक्षा के पोषक समझे जाते हैं। यह काम विश्वविद्यालयों को भी करना चाहिए, और उन बड़े स्कूलों को भी करना चाहिए, जिनके पास संसाधनों की कमी नहीं, और जो शिक्षा में नवाचार के लिये प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं।

इस वर्ष योगदिवस की मुख्य थीम है - 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'। यदिमनुष्य चित्तवृत्ति पर नियंत्रण नहीं कर सकता, तो वह पशु है। मनुष्य के लिये सम्पूर्ण मनुष्य होना ही योग है। यदि वह मनुष्य होने की परिभाषा से बाहर होगा, तो उसका बुरा प्रभाव पृथ्वी पर तो होगा ही, मनुष्य जाति के स्वास्थ्य पर भी होगा।

ऋग्वेद में एक सुंदर प्रार्थना मिलती है- 'मनुष्वत्वा नि धीमहि मनुष्वत्समिधीमहि।' हम मनुष्य होना चाहते हैं, मनुष्यता के साथ जीवन व्यतीत करना चाहते हैं।' पृथ्वी के स्वास्थ्य और उसके साथ-साथ मनुष्य के स्वास्थ्य के लिये मनुष्य को अपनी आदतें बदलनी होगी। नियमित जीवनचर्या से ही योग के लक्ष्य को पाया जा सकता है।

'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के लिये स्थापित योग एक-दो वर्ष के लिये नहीं, चिरकाल के लिये है। यह मनुष्य के उस संकल्प की तरह जाग्रत होना चाहिए, जो अनंतकाल तक इस योगसिद्धि के लिये उसकी चित्तवृत्ति को स्थिर रख सके। भारतसदियों से दोहराता आया है- 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' (सब लोग सुखी रहें, सब लोग स्वस्थ रहें।) हमने कभी एक देश या कुछ थोड़े से लोगों के लिये प्रार्थना नहीं की। जब भी कुछ मांगा, समूची पृथ्वी के लिये माँगा। इस बार भी हमारी मांग यही है कि पूरी पृथ्वी के सब लोग एक हो जाएँ, और वे सब तन-मन-धन से स्वस्थ हों। यदि यह योग सध जाये,तो वैश्विक विकास-क्रम की सर्वोच्च उपलब्धि होगी हमारे सामने होगी। यह एक महत्वाकांक्षी योग-प्रबंध है, और इसकी जिम्मेदारी सबको मिलकर उठानी होगी। पृथ्वी एक है, वह सर्वांग स्वस्थ और सुंदर हो, इसके लिये योग ही एक और अंतिम उपाय है। इस वर्ष के योगदिवस का यही संदेश है।

योग दिवस विशेष

प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी

लेखक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में प्राचार्य हैं।

विश्व को भारत की अनुपम देन

भारत में योग की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। इसकी जड़ें वैदिक साहित्य, उपनिषदों और महाभारत जैसे ग्रंथों में देखी जा सकती हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है - 'योगः कर्मसु कौशलम्', अर्थात् योग के माध्यम से व्यक्ति अपने कर्मों में दक्षता प्राप्त करता है। यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि योग केवल ध्यान या आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कुशलता और संतुलन लाने का विज्ञान है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र योग का दार्शनिक और वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करता है। इन सूत्रों में पतंजलि ने योग को चित्त की वृत्तियों के निरोध के रूप में परिभाषित किया है - 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः'। पतंजलि ने योग के आठ अंगों का उल्लेख किया है - यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। इन अंगों के माध्यम से व्यक्ति आत्मिक शुद्धि, मानसिक स्थिरता और अंततः मोक्ष या कैवल्य की प्राप्ति करता है।

योग भारतीय सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपरा का एक अमूल्य उपहार है, जो आज वैश्विक मंच पर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन है, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मिक विकास और प्रकृति से सामंजस्य का भी मार्ग बन चुका है। योग का मूलतः दो अर्थों में उल्लेख किया जाता है - पहला है 'जुड़ना' और दूसरा 'समाधि'। इन दोनों ही अर्थों में गूढ़ दार्शनिक तत्व छिपा है। योग का उद्देश्य स्वयं से जुड़कर आत्मिक शांति की ओर अग्रसर होना है। योग न केवल मस्तिष्क, शरीर और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है, बल्कि यह मानव और प्रकृति के बीच समरसता स्थापित करने का साधन भी है। वर्ष 2025 में, जबकि पृथ्वी जलवायु परिवर्तन, मानसिक स्वास्थ्य संकट, और अस्वस्थ जीवनशैली जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, योग इन सभी समस्याओं के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करता है।

भारत में योग की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। इसकी जड़ें वैदिक साहित्य, उपनिषदों और महाभारत जैसे ग्रंथों में देखी जा सकती हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है - 'योगः कर्मसु कौशलम्', अर्थात् योग के माध्यम से व्यक्ति अपने कर्मों में दक्षता प्राप्त करता है। यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि योग केवल ध्यान या आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कुशलता और संतुलन लाने का विज्ञान है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र योग का दार्शनिक और वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करता है। इन सूत्रों में पतंजलि ने योग को चित्त की वृत्तियों के निरोध के रूप में परिभाषित किया है- 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः'। पतंजलि ने योग के आठ अंगों का उल्लेख किया है - यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। इन अंगों के माध्यम से व्यक्ति आत्मिक शुद्धि, मानसिक स्थिरता और अंततः मोक्ष या कैवल्य की प्राप्ति करता है।

वर्तमान समय में जब मानव जीवन अत्यधिक तनाव, चिंता, रोग और पर्यावरणीय असंतुलन से ग्रस्त है, योग एक समग्र समाधान प्रस्तुत करता

है। वर्ष 2025 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' (एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग) इस बात का संकेत है कि योग अब केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का माध्यम बन चुका है। 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है, जो उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है और ऊर्जा के सबसे बड़े स्रोत सूर्य से सबसे अधिक प्रकाश प्राप्त होता है। यह प्रतीकात्मक रूप से भी योग के ऊर्जावान और प्रबुद्ध स्वरूप को दर्शाता है। योग अब वैश्विक मंच पर वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली के साथ सहायक रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी योग को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रभावी मानता है। योग केवल व्यक्तिगत साधना नहीं बल्कि सामाजिक, पर्यावरणीय और वैश्विक कल्याण का भी माध्यम बन चुका है। यह मनुष्य को प्रकृति से जोड़ता है, जीवन में अनुशासन लाता है, आंतरिक संतुलन स्थापित करता है और जीवन को एक समग्र दृष्टिकोण से देखने की क्षमता प्रदान करता है।

आधुनिक भारत में स्वामी विवेकानंद को योग का प्रमुख भाष्यकार माना जाता है। उन्होंने राजयोग, कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग के माध्यम से युवाओं में योग और अध्यात्म के प्रति जागरूकता फैलायी। योग जीवन जीने की कला, विज्ञान और बंधनों से मुक्ति का मार्ग है। भारत की इस प्राचीन धरोहर को विश्वभर में व्यापक स्वीकार्यता मिली है, जिससे राष्ट्र का गौरव भी बढ़ा है। बदलती जीवनशैली, तनाव और बीमारियों से निपटने में योग प्रभावशाली साधन सिद्ध हुआ है। स्वास्थ्य केवल रोगमुक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, आनंद और प्रेम से भरपूर जीवन है। आधुनिक अनुसंधानों में यह सिद्ध हुआ है कि योग नियमित रूप से करने से तनाव, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, अवसाद, मोटापा, माइग्रेन, अस्थमा, नींद संबंधी विकारों सहित कई रोगों में लाभ होता है। आज योग संपूर्ण स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन का विश्वसनीय मार्ग बन चुका है।

योग मानव के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास का सर्वोत्तम साधन है। शास्त्रों के अनुसार, अनेक जीव कई लाखों योनियों में भटकने के बाद प्राप्त मानव जीवन तभी सार्थक होता है जब हम योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। योग भारतीय सनातन संस्कृति के उद्देश्य 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' को साकार करने का माध्यम है। इससे सभी के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण की प्राप्ति संभव है। विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान योग में निहित है। यह मानवता के लिए भारत की अनुपम देन है। योग को अपनाकर हम स्वस्थ, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जी सकते हैं। योग न केवल भारत की गौरवशाली परंपरा है, बल्कि यह आज की वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप एक प्रभावी और व्यवहारिक जीवन-पद्धति भी है। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की संकल्पना तभी पूर्ण हो सकती है जब योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर अपनाया जाए। योग को केवल दिवस विशेष तक सीमित न रखकर इसे जीवनशैली में अपनाने से संपूर्ण मानव जगत का कल्याण हो सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

भारत की आध्यात्मिक धरोहर का वैश्विक उत्सव

21 जून को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक व्यायाम कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की सनातन आध्यात्मिक परंपरा का विश्वव्यापी उत्सव है। यह दिवस योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन को स्थापित करने का एक प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2014 में घोषित इस दिवस ने बहुत कम समय में वैश्विक चेतना को प्रभावित किया है।

योगः भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य उपहार

'योगः कर्मसु कौशलम्' – श्रीमद्भगवद्गीता में योग को केवल साधना नहीं, जीवन जीने की कला बताया गया है। ऋषि पतंजलि द्वारा रचित 'योगसूत्र' इस परंपरा का दार्शनिक आधार है। योग, केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, चित्त की एकाग्रता और मोक्ष की ओर अग्रसर होने का साधन है। यह भारतीय दर्शन की 'एकात्म मानवदर्शन' की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापनाः भारत की सांस्कृतिक कूटनीति की सफलता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्तावित किया था कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाए। महज़ 90 दिनों में 177 देशों का समर्थन मिलना यह दर्शाता है कि भारत की सांस्कृतिक कूटनीति (Cultural Diplomacy) कितनी प्रभावशाली रही है। 21 जून को चुना जाना भी प्रतीकात्मक है – यह दिन वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे उत्तरायण का आरंभ भी माना जाता है।

वैश्विक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव

WHO सहित अनेक वैश्विक स्वास्थ्य संस्थानों ने माना है कि योग – तनाव और अवसाद में लाभकारी है जीवनशैली रोग (Lifestyle Diseases) जैसे उच्च रक्तचाप, डायबिटीज़, मोटापा आदि को नियंत्रित करता है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है मानसिक संतुलन और एकाग्रता में सहायक हैविशेष रूप से COVID-19 महामारी के दौरान योग ने लाखों लोगों को मानसिक संतुलन बनाए रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद की।

जनजातीय और ग्रामीण भारत में योग की भूमिका- योग केवल शहरी उच्चवर्ग का विषय नहीं रहा। जनजातीय क्षेत्रों में भी योग के सांस्कृतिक रूप जैसे ध्यान, प्राणायाम, सूर्योपासना, अनुलोम-विलोम आदि परंपरागत रूप से प्रचलित रहे हैं। अब इन्हें वैज्ञानिक योग अभ्यास के रूप में संस्थागत किया जा रहा है। जनजातीय कल्याण केंद्र, आश्रमशालाएँ और एकल विद्यालयों में योग शिक्षा समाज परिवर्तन का माध्यम बन रही है।

भारत के लिए योग का रणनीतिक और सांस्कृतिक महत्व

1. सांस्कृतिक अस्मिता का पुर्नस्थापन
2. वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का प्रसार
3. सॉफ्ट पावर के रूप में भारत की छवि को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करना
4. आत्मनिर्भर भारत अभियान में योग-आधारित हेल्थ टूरिज्म, आयुर्वेद और

पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा

21वीं सदी का योगः चुनौतियाँ और संभावनाएँ

व्यावसायीकरण और योग का केवल 'फिटनेस उत्पाद' बन जाना इसकी आध्यात्मिकता को चुनौती देता है।

पश्चिमी अपप्रचार के कारण कभी-कभी योग को धर्म विशेष से जोड़कर देखा जाता है।

आवश्यकता है कि शुद्ध भारतीय योग परंपरा को वैज्ञानिक आधारों पर वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की जीवनशैली, स्वास्थ्य-दर्शन और आध्यात्मिक सोच का वैश्विक मंच पर उद्घोष है। यह वहअवसर है जब विश्व भारत से सीखता है – संयम, संतुलन और समाधि का मार्ग।भारत के लिए यह अवसर है अपने प्राचीन ज्ञान को नवाचार के साथ जोड़कर एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में आगे बढ़ने का।

शिक्षा विभाग ने जानकारी की एकत्रित, 1 अपात्र को हटाया, 2 विद्यार्थियों के नाम जोड़े

1027 विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिए मिलेंगे 25 हजार

संजय द्विवेदी

बैतूल। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार ने 75 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लेपटॉप और स्कूटी देने की योजना शुरू की है। लेपटॉप योजना के लिए जिले के 1027 विद्यार्थी चयनित हुए है, शिक्षा विभाग द्वारा लेपटॉप के लिए 25-25 हजार रूपये की राशि मिलेगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल से जिले के 75 फीसदी से ज्यादा अंक वाले छात्र-छात्राओं की सूची मिली है। जिसके अंतर्गत जिले के शासकीय व अशासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों के 1128 छात्र-छात्राओं को लेपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए राशि मिलेगी। ये राशि सीधे छात्रों के बैंक खातों में आएगी। इस लिहाज से जिले में 1027 छात्रों को करीब 2 करोड़ 56 लाख रुपए की राशि जारी होगी। दरअसल मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कक्षा 12वीं में 75 फीसदी से ज्यादा अंकों के साथ उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को लेपटॉप देने की योजना वर्ष 2010 में शुरू की गई थी। जिसके बाद हर साल छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा लेपटॉप खरीदने के लिए 25-25हजार रुपए की राशि दी जाती है। इस वर्ष भी कक्षा बारहवीं में 75 प्रतिशत अंक या अधिक लाने वाले छात्रों को लेपटॉप की राशि 25-25 हजार रुपए दी जाएगी। इसको को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

शिक्षा मंडल से मिली 1028 विद्यार्थियों की सूची- माध्यमिक शिक्षा मंडल से जिले के 75 फीसदी से ज्यादा अंक वाले छात्र-छात्राओं की सूची मिली है। जिसके अंतर्गत जिले के शासकीय व अशासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों के 1028 छात्र-छात्राएं शामिल है, लेकिन इसमें से 1 विद्यार्थी अपात्र होने पर उसका नाम सूची से हटाया गया है, वहीं दो अन्य विद्यार्थियों के नाम सूची में जोड़े गये है। इन विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम बाद में आया। जिसके कारण यह मंडल की सूची में शामिल नहीं हो पाये थे। अब परीक्षा परिणाम आने और लेपटॉप योजना के नियमानुसार इन विद्यार्थियों को भी लेपटॉप योजना में शामिल किया जा रहा है। जिसकी सूची शिक्षा विभाग ने भेजी है।

विद्यार्थियों के खातों का किया जा रहा अपडेशन – शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के खातों का अपडेशन किया जा रहा है। सभी छात्रों के खातों का अपडेशन भी हो गया है। जिले के 1027 विद्यार्थियों के खाते में यह राशि जल्द ही जारी की जाएगी। कक्षा 12 वीं में जिले के स्कूल में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को शासन स्तर से स्कूटी दिए जाने की भी योजना बनाई गई है। हालांकि स्कूटी योजना में कुल कितने विद्यार्थी शामिल होंगे और क्या-क्या नियम है, इसके संबंध में अभी शिक्षा विभाग आदेश नहीं मिले हैं, लेकिन छात्र-छात्राओं की जानकारी जुटाई जा रही है। जिले में पिछले वर्ष 247 विद्यार्थियों को स्कूटी मिली थी, जबकि इस बार अनुमानित 247 से 250 विद्यार्थियों को स्कूटी मिलने की उम्मीद है।

पिछले सत्र से कम विद्यार्थी- इस बार जिले में 1027 विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि मिलेगी। जबकि वर्ष 2024 में 1192 छात्र-छात्राएं इसके लिए पात्र थे, लेकिन इस बार 68 बच्चों की संख्या कम है। इसका कारण ये है कि इस बार जिले में पिछले वर्ष की तुलना में 75 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणामों वाले विद्यार्थियों की संख्या कम रही है। हालांकि परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा है। लेकिन 75 फीसदी से अधिक अंक लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस वर्ष कम है। जिसके कारण इस वर्ष जिले के कुल 1027 छात्र-छात्राओं को ही लेपटॉप की राशि मिलेगी।

इनका कहना है –

कक्षा 12 वीं में 75 फीसदी से ज्यादा अंक वाले बच्चों को लेपटॉप के लिए 25- 25 हजार रुपए की राशि जारी होगी। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या जिले में 1027 है। स्कूटी के लिए जानकारी जुटाई जा रही है।

– अनिल कुशवाह, डीईओ, बैतूल

निःशुल्क हेलमेट लेने उमड़ा जनसैलाब

विवो कंपनी ने बांटे दो सैकड़ा हेलमेट

बैतूल। देश की प्रसिद्ध मोबाइल कंपनी विवो मोबाइल ने सामाजिक सरोकार अभियान को आगे बढ़ाते हुए लोगों का जीवन बचाने के लिए सीएसआर के तहत शुक्रवार को बैतूल में 200 बाइक सवारों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम शहर के नेहरू पार्क चौराहे पर आयोजित किया गया। जिसमें निःशुल्क हेलमेट लेने के लिए बड़ी संख्या में बाइक सवार पहुंचे और उन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन कराकर हेलमेट प्राप्त किया और उसे लगाकर चलने का संकल्प भी लिया। इस मौके पर बैतूल एसडीओपी शालिनी परस्ते, ट्रफिक प्रभारी गजेंद्र केन, वरिष्ठ पत्रकार बलवंत धोटे, पत्रकार कल्याण परिषद के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार संजय द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार मयूर भार्गव एवं राजेश भाटिया, घनश्याम राठौर, साहिल राठौर, कंपनी के अधिकारी जोनल सेल्स मैनेजर प्रसून्न पाठक, प्रमोशन डिपार्टमेंट से वैभव पाटनी, विवो मोबाइल्स के डिस्ट्रीब्यूर लीलेश कालू कपूर एवं अंकुर सेनानी सहित मोबाइल विक्रेता अमित बोथरा, संदीप तलेड़ा, प्रवीण राठौर, अशोक तलेड़ा अखिलेश चौकीकर आदि मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओपी शालिनी परस्ते ने कहा कि एक्सीडेंट के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में हेलमेट लगाना बहुत जरूरी हो गया है। ट्रैफिक पुलिस प्रभारी सूबेदार गजेंद्र केन ने अपने संबोधन में कहा कि सिर्फ चालानी कार्रवाई से बचने के लिए ही हेलमेट ना लगावे, अपितु आप अपनी स्वयं की सुरक्षा एवं जान की परवाह करते हुए हेलमेट का उपयोग करें। हाल ही के वर्षों में, पिछले कुछ सालों पहले की तुलना में दुपहिया वाहनों के एक्सीडेंट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं ऐसे में विवो कंपनी द्वारा किया जा रहा यह सामाजिक सरोकार सराहनीय है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को कर रहे बुलंद अनिल यादव

बैतूल। बेटी के नाम घर की पहचान, डिजिटल इंडिया विथ लाडो अभियान के तहत घर-घर बेटियों के नाम की नेम प्लेट लगाई जा रही है, और साथ ही देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, एवं स्वच्छ भारत अभियान का

संदेश नेम प्लेट के माध्यम से लगातार बैतूल के एक युवा द्वारा दिया जा रहा है। इनके द्वारा बेटा बेटी के भेदभाव को खत्म करने के लिए बेटियों का प्रथम गृह प्रवेश भी धूमधाम से करवाया जाता है आज लाडो फाउंडेशन टीम शहर के सदर में भगत सिंह वार्ड पहुंची, जहां पिता लोकेश राठोर, माता जयश्री राठौड़ की 3 महीने की बेटी रोही के नाम की नेम प्लेट लगाई गई। इस अवसर पर परिजनों में खुशी का माहौल देखने को मिला। सभी ने सदर क्षेत्र के निवासी युवा समाजसेवी अनिल यादव द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस मौके पर बेबी रोही की दादी ममता राठौर ने कहां, कि यह अभियान बहुत प्रेरणादायक है जो समाज को एक नई प्रेरणा देता है। इस मौके पर रोही के बड़े पापा अंकुश राठौड़, बड़ी मम्मी रितु राठौर, बुआ आरती, रूपा, रानी सहित परिजन मौजूद थे।

रेत, गिट्टी कर अवैध परिवहन करते 1 ट्रेक्टर, 2 डम्पर जप्त

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग बैतूल द्वारा जिले

के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 19 जून को गौण खनिजों के अवैध परिवहन पर कार्यवाही करते हुए वाहनों को जप्त कर पुलिस थानों की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए 01 ट्रेक्टर बिना नंबर सोनालिका को खनिज रेत के अवैध परिवहन करने पर एवं 01 वाहन डम्पर कमांक एमपी 48 एच 1264 को बिना रॉयल्टी के खनिज गिट्टी का परिवहन करने पर पुलिस थाना गंज बैतूल की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। वहीं, 01 वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 09 डीई 8319 को बिना रॉयल्टी के खनिज गिट्टी का परिवहन करने पर जप्त कर पुलिस थाना बैतूल बाजार में खड़ा करवाया गया है। उक्त सभी अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत् प्रकरण न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

बारिश से मौसम में घुली ठंडक, गिरा तापमान

बैतूल। बैतूल जिले में मानसून की शुरुआत हो गई है। गुरूवार शाम बारिश होने के बाद शुक्रवार दोपहर को फिर तेज बारिश हुई। जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। वहीं तापमान कम हुआ है। जिससे लोगों को

गर्मी से राहत मिली है। गुरुवार शाम से शुरू हुई बारिश में शुक्रवार तक 3.2 मिमी दर्ज की गई है। जिले में सबसे ज्यादा बारिश मुलताई में 27.4 मिमी रिकॉर्ड की गई। गुरुवार को दिन भर तेज धूप रही। लेकिन शाम को हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले तीन दिन यानि शनिवार को मध्यम हल्की बारिश होगी। वहीं रविवार और सोमवार को थोड़ी तेज बारिश की संभावना है। बारिश और नमी के कारण तापमान में भी गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री के आसपास है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार मानसून की शुरुआत हल्की बारिश के साथ हुई है। आने वाले दिनों में मानसून की गति बढने की संभावना है। बैतूल शहर के साथ शाहपुर, सारनी, आमला और भीमपुर में भी हल्की बारिश हुई।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य ही खुशहाल और तनावमुक्त जीवन का आधार: ब्रह्मकुमारीज

बैतूल। योग सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना के मिलन का भी प्रतीक है, जो मन और शरीर, मानव और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य का संकेत देता है। योग के अभ्यास का उल्लेख ऋग्वेद और उपनिषदों में भी मिलता है। ब्रह्माकुमारी के स्थानीय सेवा केंद्र भाग्य विधाता भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का शुक्रवार को आयोजन किया गया। जिसमें बीके पूर्णिमा बहन ने सभी को योग का महत्व बताते हुए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मन को खुशहाल एवं सशक्त बनाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुए कहा कि योग आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक प्रथाओं का एक समूह है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। योग का शाब्दिक अर्थ है जोडना। योग शारीरिक व्यायाम, शारीरिक मुद्रा (आसन), ध्यान, सांस लेने की तकनीकों और व्यायाम को जोड़ता है। इस शब्द का अर्थ ही 'योग' या भौतिक का स्वयं के भीतर आध्यात्मिक के साथ मिलन है। कार्यक्रम मे उपस्थित सभी लोगों को कमलेश देवकते ने अनेक प्राणायाम और योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम के अंत में बीके सविता बहन ने सभी को प्रकृति और विश्व की शांति के लिए राजयोग का अभ्यास कराया। सभी ने अपने जीवन में नियमित रूप से योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्थान से जुड़े 200 से भी अधिक भाई बहन उपस्थित रहे।

जन परिषद भौरा चैप्टर के स्थापना दिवस समारोह का आज होगा भव्य आयोजन

मुख्य अतिथि होंगी दुबई की इंटरनेशनल मॉडल विद्या जोशी

बैतूल / भौरा। जन परिषद भौरा चैप्टर का स्थापना दिवस समारोह आज 21 जून शनिवार को पटेल वार्ड रिद्धि ऋद्धि गणेश मंदिर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुबई की इंटरनेशनल मॉडल, बी यूनिक इंटरनेशनल मिसेज दुबई, मोस्ट पॉपुलर फेस ऑफ अबू धाबी एवं लोकप्रिय रनवे मॉडल व एक्ट्रेस सुश्री विद्या जोशी पटेल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। जन परिषद भौरा चैप्टर के अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि भौरा के इतिहास में यह दूसरी बार होगा जब अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत से जुड़ी कोई नामचीन हस्ती यहां आ रही हैं। इससे पहले मॉडल हेमा बेजल भी भौरा पधार चुकी हैं। विद्या जोशी का आगमन क्षेत्रवासियों के

लिए एक प्रेरणादायी अनुभव होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि भौरा की पारंपरिक संस्कृति, सद्भाव और गरिमामयी परंपरा के अनुरूप अतिथियों का भव्य स्वागत करें। उन्होंने यह भी बताया कि विद्या जोशी के साथ जन परिषद के राष्ट्रीय संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री रामजी श्रीवास्तव और प्रांतीय सचिव श्री नितिन श्रीवास्तव भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति रहेगी। जन परिषद की स्थानीय इकाई आयोजन की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है। यह कार्यक्रम जनजागरूकता, नारी सशक्तिकरण और सामाजिक मूल्यों के संवर्धन को केंद्र में रखकर आयोजित किया जा रहा है।

वेयरहाउस में छिपाकर रखी थी 39 पेटी अवैध शराब, आबकारी विभाग ने मारा छापा

2 लाख 85 हजार की देशी-विदेशी शराब जब्त, आरोपी फरार

बैतूल। आबकारी विभाग द्वारा शराब माफियाओं के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध शराब के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विभाग ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अपना ढाबा के पीछे बने वेयरहाउस पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई है। यह कार्यवाही जिला आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चढार के मार्गदर्शन में तथा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर की गई। विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम अनकावाड़ी स्थित अपना ढाबा के पीछे बने एक वेयरहाउस में अवैध रूप से शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दी। दबिश के दौरान पता चला कि यह वेयरहाउस दीपक पटने के नाम पर है, जो मौके से फरार हो गया। तलाशी में वेयरहाउस से देशी और विदेशी मदिरा की कुल 39 पेटियां बरामद की गईं। इन पेटियों में कुल 366.24 लीटर शराब भरी हुई थी, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 2 लाख 85 हजार 540 रुपये बताई जा रही है। जब विभाग ने वेयरहाउस में मौजूद व्यक्तियों से शराब के संबंध में दस्तावेज मांगे, तो कोई वैध हिसाब-किताब प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर विभाग ने फरार आरोपी दीपक पटने के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी

अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(ए) एवं 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 76/25 दर्ज किया है। कार्यवाही के दौरान आबकारी उप निरीक्षक राजेश वट्टी, आबकारी आरक्षक सत्येंद्र सिकरवार, अक्षय हुरडे तथा नगर सैनिक राहुल गोस्वामी की अहम भूमिका रही। पूरी टीम ने सतर्कता से काम करते हुए बिना किसी रुकावट के कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।अवैध शराब की इस बड़ी खेप की जब्ती से यह स्पष्ट है कि जिले में अभी भी अवैध शराब का कारोबार सक्रिय है। हालांकि आबकारी विभाग के लगातार प्रयासों से ऐसे मामलों में कमी लाने की कोशिश की जा रही है। विभाग ने इस मामले में फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी है और आगे भी इस तरह की कार्यवाहियों की चेतावनी दी है।

विधायक हेमंत खंडेलवाल ने किया 7 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन

पार्क में पौधारोपण कर विकास की दी सौगात, बोले विधायक- नगर विकास में अब नहीं रहेगी कोई कमी

बैतूल। आठनेर नगर परिषद क्षेत्र में शुक्रवार 20 जून को लगभग 7 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक हेमंत खंडेलवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार द्वारा किया गया। इस मौके पर निर्माणाधीन पार्क में पौधारोपण भी किया गया। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आठनेर क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्त्वपूर्ण योजनाएं अब नगर और ग्राम स्तर तक पहुंच रही हैं और इनसे आठनेर नगर भी शहरों की तर्ज पर विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक निधि से नगर को ऑडिटोरियम सहित कई सौगातें दी गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शहरी संरचना विकास योजना के अंतर्गत चतुर्थ चरण में सीसी रोड चौड़ीकरण, डिवाइडर निर्माण, अमृत 2.0 जलपरी योजना, कायाकल्प योजना, स्वच्छ भारत मिशन योजना, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण तथा विभिन्न वार्डों में डामरीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही अमृत परियोजना के अंतर्गत नगर में 24 घंटे जल प्रदाय सुनिश्चित करने के लिए 33 केवी विद्युत कनेक्शन का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि आठनेर के विकास की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा मनोज जगताप ने कहा कि विधायक खंडेलवाल के नेतृत्व में नगर विकास की गति को नई दिशा मिली है। नगर परिषद उपाध्यक्ष विनय जीतपुरे ने सभी का आभार प्रकट किया।

मां ताप्ती रथ यात्रा से प्रारंभ होगा ताप्ती जन्मोत्सव सप्ताह

क्षेत्र के 125 ग्रामों में एक साथ मनाया जाएगा जन्मोत्सव

बैतूल/मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई में अषाढ शुक्ल की सप्तमी को होने वाले जन्मोत्सव की तैयारी लगभग पूर्ण हो गई है। सूर्य पुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां ताप्ती जन्म उत्सव पूरे सप्ताह क्षेत्र के 125 ग्रामों में एक साथ मनाया जाएगा। जन्मोत्सव सप्ताह के रूप में नगर में होने वाले प्रत्येक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम एक साथ 125 ग्रामों में भी चलाए जाएंगे। जिसका आरंभ 21 जून से मां ताप्ती जन्मोत्सव प्रचार रथ रवाना करने के साथ होगा और समापन ताप्ती जन्मोत्सव 2 जुलाई को दंडवत परिक्रमा एवं दीप उत्सव के साथ किया जाएगा। समिति के राजेंद्र सिंह ठाकुर, हेमंत शर्मा, अनीश नायर, हनी भार्गव, जयश संघवी ने जन्मोत्सव कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए पत्रकारों को चर्चा में बताया कि समिति ताप्ती जन्म उत्सव पर बीते 9 वर्षों से ताप्ती जन्मोत्सव सप्ताह मना रही है। समिति ग्रामीण क्षेत्रों में 22000 कार्यकर्ताओं के माध्यम से एक साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है इस वर्ष भी 21 जून से मुलताई से मां ताप्ती प्रचार रथ यात्रा निकलेगी, जो ग्राम ग्राम तक मा ताप्ती का संदेश पहुंचाएगी। 26 जून को मां ताप्ती जल

कलश स्थापना होगी और मंदिरों में ध्वजारोहण होगा।27 जून को नगर सहित संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में घर एवं गांव देवालय विद्यालय और मोहल्ले में स्वच्छता अभियान चलेगा। 28 जून को गौ पूजन,गौ रक्षा का संकल्प लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। 29 जून को मां ताप्ती उपवन में वृक्षारोपण किया जाएगा। बीते 9 वर्षों में समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ताप्ती उपवन बनाए गए हैं जिसमें से 25 उपवन मासोद ,बाड़े गांव, ज्वलखेड़ा ,मोरखा बिंदु पर्वत, आदि मे ताप्ती उपवन मे लगाए गए पौधे अब वृक्ष बन कर लहलहा ने लगे हैं। 30 जून को समरसता दिवस के निमित्त प्रत्येक घर में खिचड़ी का संग्रहण किया जाएगा। 1 जुलाई को ताप्ती बनो प्रतियोगिता एवं शाम को ताप्ती तट पर मां ताप्ती महा आरती का आयोजन कर प्रसादी वितरण की जाएगी। 2 जुलाई अषाढ शुक्ल की सप्तमी को दंडवत परिक्रमा एवं दीप उत्सव के साथ समिति के समस्त कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा ।

समिति चलाएगी प्लास्टिक मुक्त अभियान

सूर्य पुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास मुलतापी इस वर्ष ताप्ती जन्म उत्सव सप्ताह के साथ नगर एवं क्षेत्र के प्रमुख ग्रामों में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाएगा। समिति सदस्य घर-घर पहुंचकर लोगों से आग्रह करेंगे कि वह प्लास्टिक पानी की बोतलों में अपने घर में जमा होने वाली पन्नीया जो हम इधर-उधर फेंक देते हैं को जमा करे, पानी की बोतल के ऊपर के भाग को काटकर इसमें पनियों को अच्छी तरह से ठुस कर एकत्रित करें इसके उपरांत इसके उपरांत प्लास्टिक के उचित प्रबंधन के लिए समिति सदस्य घर-घर पहुंचकर पन्नियों से भरी इन बोतलो को संग्रहित करेंगे।

देव ऋषि नारद जयंती पर पत्रकारों को किया सम्मानित

मुलताई देव ऋषि नारद आयोजन समिति द्वारा गुरु कृपा होटल में देव ऋषि नारद जयंती पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों को शाल श्रीफल एवं मां ताप्ती का छायाचित्र भेटकर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के राजेंद्र सिंह ठाकुर, आरएसएस प्रमुख जयश संघवी, एवं अनीष नायर ने नारद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि देव ऋषि नारद सृष्टि के प्रथम पत्रकार थे। वह देव, दानव, मानव में सेतु के रूप में कार्य करते थे और उनका अंतिम लक्ष्य जगत कल्याण होता था। हम पत्रकारों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर जन कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जल जीवन मिशन के कार्यों की जिला पंचायत सीईओ ने की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। जल जीवन मिशन अंतर्गत विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और उपाध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया ने जिले के सभी विकासखंडों के ग्रामों की नलजल योजना के कार्यों की अवयववार विस्तार से समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने धीमी गति से कार्य कर रहे ठेकेदारों को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। विकासखंड गैरतगंज एवं बेगमगंज को 30 जून 2025 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने हेतू निर्देशित किया एवं अन्य विकासखण्डों के ग्रामों की नलजल योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय अधिकारी कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सभी उपखण्ड के सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं अनुबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के अवसर पर प्रदेश के साथ ही जिले की सभी संस्थाओं में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों एवं समस्त वार्डो में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आयोजित कराए जाएंगे। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में आयोजित होने वाले गतिविधियों की तैयारियों के संबंध में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ ने औबेदुल्लागंज जनपद कार्यालय का किया निरीक्षण

अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को एससीएन जारी, एक दिवस का वेतन भी कटेगा

रायसेन (निप्र)। जिले की जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज का जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के 34 अधिकारियों, कर्मचारियों में से केवल 06 अधिकारी, कर्मचारी ही उपस्थित मिले। औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत सीईओ भी कार्यालय से अनुपस्थित मिलने पर दूरभाष पर चर्चा में उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत कारणों से समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं हो सके। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया ने स्वयं प्रत्येक अनुपस्थित अधिकारी, कर्मचारी से दूरभाष पर सम्पर्क किया जिसमें अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा फील्ड पर होने या ऑफिस आने हेतु रास्ते में होना बताया। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यालय से अधिकारियों-कर्मचारियों के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया और सभी का एक दिवस का वेतन काटने हेतु निर्देशित किया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया ने मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यालय का भी निरीक्षण किया और सीएलएफ के समग्र क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागियों से चर्चा की।

निराश्रित बच्चों को कानूनी पहचान प्रदान करने और सामाजिक कल्याण हेतु "साथी" अभियान प्रारंभ

रायसेन (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली द्वारा निराश्रित बच्चों को कानूनी पहचान प्रदान करने और सामाजिक कल्याण तक उनकी पहुंच सुगम करने हेतु उनके आधार कार्ड निर्मित कराने के उद्देश्य से साथी राष्ट्रीय अभियान प्रारंभ किया गया है। निराश्रित बच्चों की कुल संख्या का मानचित्रण, पहचान व सर्वे करने और उनके आधार निर्मित करने के उद्देश्य से प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में जिला साथी इकाई का गठन किया गया है। जिसकी अध्यक्ष श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन को नामांकित किया गया है। साथ ही जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सिविल सर्जन, किशोर इकाई अधिकारी, जिले के समस्त तहसीलदार एवं पैनल अधिवक्ताओं और पैरालीगल वालेंटियर्स को सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है।

साथी अभियान के सफल आयोजन एवं प्रचार-प्रसार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 18 जून को जिला साथी इकाई के सहयोग व समन्वय से ग्राम कटारिया, ग्राम माखनी, ग्राम अमरावत वाज्यात्पा एवं ग्राम बारला में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। साथ ही उक्त ग्राम के आंगनबाड़ी केन्द्र व प्राथमिक शालाओं का भी दौरा किया जाकर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं व शिक्षकों को अभियान के बारे में जानकारी दी जाकर उक्त अभियान में सहयोग प्रदान करने की अपील की गयी।

इन शिविरों में श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा व्यक्त किया गया कि संविधान के अनुच्छेद 39(ई) और (एफ) के उददेश्य अनुसार समान न्याय प्रदान करने के अंतर्गत साथी अभियान की शुरूआत की गयी है। सड़कों पर बेसहारा या आश्रयगृहों में रहने वाले ऐसे कई बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है जिससे वे विभिन्न बाल कल्याण कानूनों के तहत सरकारी लाभ, षिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं। साथी अभियान का उददेष्य मिषन मोड दृष्टिकोण में सर्वेक्षण, आधार पंजीकरण और कानूनी सहायता के माध्यम से इस अंतर को पाटना हैं।

श्री अनीस उद्दीन अब्बासी जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा बताया गया कि साथी अभियान अंतर्गत निराश्रित बच्चों में ''18 वर्ष से कम आयु के वे बच्चे जिनके पास परिवार का समर्थन, सरंक्षकता या आश्रय, सुरक्षा और देखभाल का कोई स्थिर स्त्रोत नहीं है के साथ-साथ सड़को, झुग्गी झोपड़ियो या रेलवे स्टेषनों मे रहने वाले बच्चे, बाल देखभाल संस्थानों में रहने वाले/नहीं रहने वाले अनाथ बच्चे, परित्यक्त बच्चे या तस्करी, भीख मांगने, बाल श्रम से बचाये गये बच्चे, अनौपचारिक आश्रयो या अंपजीकृत बाल देखभाल गृहों में रहने वाले बच्चे, लापता बच्चे जो बरामद हुए है और जिन्हें परिवार को नहीं सौपा गया हैं'' को शामिल किया गया है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में उत्कृष्ट विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उत्कृष्ट विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विद्यालय के प्राचार्य तथा शिक्षकों से विद्यालय में उपलब्ध सीट और प्रवेशित बच्चों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण बेहतर शिक्षा मिले। विद्यालय में नीट सहित अलग क्वालिफिकेशन के लिए बुक का संकलन करने पर भी चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विद्यालय की भौतिक प्रयोगशाला की साज सज्जा व ऑनलाइन विषय अध्यापन हेतु प्रोजेक्टर कम्प्यूटर सहित अन्य सुविधाएं, विद्यालय की बाउण्ड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाने, रसायन प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किए जाने सहित छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के ऑनलाईन प्रशिक्षण और ऑनलाईन कक्षा हेतु स्मार्ट क्लॉस तैयार कराने पर चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी तथा विद्यालय के प्राचार्य को समन्वय कर कार्य कराने हेतु निर्देशित किया। बैठक में विद्यालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, विद्यालय के प्राचार्य सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग की सहायक संचालक ने किया सीएम राइज स्कूलों का निरीक्षण : सीहोर (निप्र)। जिले के रेहटी तथा बुधनी स्थित सांदीपनि शासकीय सीएम राइज स्कूलों का शिक्षा विभाग की सहायक संचालक सुश्री सलोनी शर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों से पढ़ाई के बारे में चर्चा की और पढ़ाई के संबंध में टिप्स दिए। निरीक्षण के दौरान स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिती कम पाए जाने पर उन्होंने स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क कर शत प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही रेहटी स्थित सीएम राइस स्कूल में समय चक्र नहीं पाए जाने तथा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाओं में कोई भी छात्र उपस्थित नहीं पाए जाने पर प्राचार्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के चिन्हित गांवों में 30 जून तक लगेंगे शिविर

बैतूल (निप्र)। जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के लिए चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बैतूल जिले के 10 विकासखण्डों के चिह्नित 554 गांवों में 15 जून से 30 जून तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा अभियान के तहत शिविर स्थल पर सेल्फी पाइंट, होर्डिंग पोस्टर एवं दीवारों पर चित्रकारी के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाकर शिविरों के प्रभावी और सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए है। धरती आबा के तहत चिन्हित गांवों में विकासखण्ड भीमपुर के 109, भैंसदेही के 71, आठनेर के 51, बैतूल के 62, चिचोली के 42, घोड़ाडोंगरी के 86, शाहपुर के 66, मुलताई के 9, प्रभात पट्टन के 26 तथा विकासखण्ड आमला के 32 गांव शामिल है। इन गांवों में हितग्राहियों को केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास, जल शक्ति, विद्युत, स्वास्थ्य और परिवार, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, दूरसंचार और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य 17 विभागों की 25 योजनाओं से लाभान्वित किया जाकर जनजातीय समुदायों का शत प्रतिशत संतृप्त किया जा रहा। है।

143 गांवों में आयोजित शिविरों में 19 हजार 968 हितग्राही हुए लाभान्वित : जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त ने बताया कि इस अभियान के तहत 15,16,17 एवं 18 जून को जिले के 10 विकास खंडों में अब तक 143 गांवों मे शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इन शिविर में अनुमानित 19968 हितग्राही सम्मिलित हुए, जिनमें से पात्र जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाएं जैसे आधार कार्ड 252, तपेदिक के लिए सर्किय मामलों का पता लगाना 35, आयुष्मान भारत कार्ड 717, जाति प्रमाण पत्र 72, किसान क्रेडिट कार्ड 63, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना 66, प्रधानमंत्री जनधन योजना 21, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 27, किसान सम्मान निधि योजना 216, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 107, प्रधानमंत्री उज्वला योजना 83, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 36, राशन कार्ड 159, सिकल सेल परीक्षण 1400, स्थायी निवास प्रमाण पत्र 07, मनरेगा 239 एवं मिशन इन्द्रधनुष 18, मृदा योजना 04 आदि विभिन्न योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना को ग्रामीण पर्यटन परियोजना में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया सम्मान

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम ग्रामीण रंग पर्यटन संग अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना को ÷ग्रामीण पर्यटन मिशन, मध्यप्रदेश÷ के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन परियोजना में उनके उत्कृष्ट योगदान और शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित ÷ग्रामीण रंग पर्यटन संग÷ कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कलेक्टर सुश्री मीना को यह सम्मान जिले में होमस्टे निर्माण की योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए दिया गया है, जो कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। उनके नेतृत्व और सक्रिय भागीदारी के चलते यह परियोजना आज एक आदर्श मॉडल के रूप में सामने आई है, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि ग्रामीण जीवन, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। नर्मदापुरम् जिले में होमस्टे के रूप में पर्यटन सुविधाओं का विकास करते हुए न केवल स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर दिए गए हैं, बल्कि पर्यटकों को भी ग्रामीण जीवन के वास्तविक अनुभव से परिचय करवाया है। यह परियोजना प्रदेश में सतत और सहभागी पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग सूची में गिरावट नहीं आएं - कलेक्टर श्री गुप्ता

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन की मासिक ग्रेडिंग रैंकिंग सूची में गिरावट ना आए इसके लिए संबंधित विभाग अपने स्तर पर संतुष्टि पूर्वक समाधान की विशेष पहल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ततसंबंध में सभी एसडीएम को भी दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विभागों के अधिकारियों को चेताया है कि आवेदनों के निराकरण में कहीं भी चूक, लापरवाही नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा कही पाया गया तो उस विभाग के जिला अधिकारी समेत अधीनस्थों पर कार्यवाही होगी। अतः दंडात्मक कार्यवाही से स्वयं बचें और ऐसी ही प्रेरणा अधीनस्थों को दे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि हम सब का यही ध्येय है की आम जनों के आवेदनों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक समयावधि में करना है फिर विलंबता किस लिए। सभी विभागों के द्वारा पूर्व में भी उत्कृष्ट कार्यों का संपादन कर जिलों को प्रदेश स्तरीय टॉप फाइव की रैंकिंग सूची में स्थान हासिल किया गया है।

कलेक्टर ने लटेरी क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं और विकास कार्यों का जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज लटेरी क्षेत्र में भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों तथा प्रदाय की जा रही शासकीय सेवाओं और शैक्षणिक व्यवस्थाओं के क्रियान्वित कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने क्रियान्वित कार्यों का मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण ही नहीं किया बल्कि व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश भी अधिकारी कर्मचारियों को दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने लटेरी में संचालित शासकीय आईटीआई का निरीक्षण कर विषय विशेषज्ञों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए आईटीआई में छात्रों की प्रवेश संख्या बढ़ने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि 10वीं 12वीं कर चुके विद्यार्थियों का रुझान आईटीआई में कौशल शिक्षा प्राप्त करने की और बढ़े इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करें स्कूलों कॉलेजों में पहुंचकर बच्चों को आईटीआई में प्रवेश लेने के

लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बच्चे जब तक अपनी पढ़ाई पूरी करें तब तक वह आईटीआई का कोर्स कर रोजगार प्राप्त कर लें यही शासन की मंशा है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने लटेरी भ्रमण के दौरान लटेरी एसडीएम कार्यालय के माध्यम से संपादित किए जा रहे कार्यों का मुआयना किया तथा पूर्व रिकार्ड संधारण के प्रबंधों को जाना है। उन्होंने एसडीएम श्री विनीत तिवारी को निर्देश दिए हैं कि आवेदक गण अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए यहां वहां भटकें ना और उन सभी के कार्य समयावधि में हों का पालन सुनिश्चित कराएं। इस दौरान उन्होंने राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण और पक्षकारों को समय सीमा में नकल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने धरती आबा अभियान अंतर्गत लटेरी तहसील के रायपुरा में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर में पहुंचकर योजना से लाभान्वित हितग्राहियों और ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने शिविर के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए विभाग वार लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी भी ली। कलेक्टर श्री गुप्ता ने शासन द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों पर जिले में क्रियान्वित धरती आबा अभियान के माध्यम से जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए किये जा रहे कार्यों पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ और सुविधाएं मिल सकें।

कलेक्टर ने मार्कफेड वेयरहाउस और निजी खाद-बीज, कीटनाशाक विक्रय दुकान का निरीक्षण किया

स्टाक पर शासकीय केंद्र से विक्रीत मार्कफेड विदिशा उल्लेखित सील हरेक खाद बोरी पर लगाना अनिवार्य : कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शमशाबाद के डबल लॉक मार्कफेड वेयर हाउस में भंडारित खाद के स्टाक व पंजियो का निरीक्षण किया। विशेष कर उन्होंने शासकीय विक्रय व भंडारित स्टाक पर लगाई जाने वाली सील (मोहर) के संबंध में दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के सभी शासकीय विक्रय व भंडारित स्टाक पर लगाई जाने वाली सील मोहर शासकीय केंद्र से विक्रीत मार्कफेड विदिशा उल्लेखित सील हरेक खाद बोरी पर लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। उक्त कार्य की जांच परख भी की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने इसके साथ ही शमशाबाद में निजी खाद बीज, कीटनाशक विक्रेता राधारानी ट्रेडर्स में अचानक पहुंच कर जानकारी प्राप्त की और स्टाक का निरीक्षण किया। उन्होंने राधारानी ट्रेडर्स में भंडारित स्टाक की गिनती कर मिलान रिपोर्ट देने हेतु थानीय एसडीएम को अधिकृत किया।

खाद स्टाक में कम मिला

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज नसरतगढ (शमशाबाद) में संचालित निजी खाद विक्रेता राधा रानी ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया। दुकान और गोदाम में भंडारित खाद स्टाक की प्राप्ति और विक्रय रिकार्ड की जांच करने हेतु अधिकृत तहसीलदार व डीपीसी के द्वारा तैयार कराया गया पंचनामा कि जानकारी देते हुए एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल ने बताया कि नसरतगढ (शमशाबाद) में संचालित रानी ट्रेडर्स में संधारित रिकॉर्ड के अनुसार वितरण रजिस्टर अनुसार 54 बोरी डीएपी अतिरिक्त एवं 202 बोरी यूरिया कम होना पायी गई जिसके संबंध में कोई दस्तावेज, वितरण पंजी उपलब्ध नही करायी गई। उक्त आश्य का प्रतिवेदन प्रेषित किया गया है।

शासकीय डबल लॉक का निरीक्षण

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने नसरतगढ़ शमशाबाद में शासकीय मार्कफेड वेयरहाउस में भंडारित खाद के स्टाक व पंजियो का निरीक्षण किया। उन्होंने जिले के सभी शासकीय विक्रय व भंडारित स्टाक पर लगाई जाने वाली सील मोहर शासकीय केंद्र से विक्रीत मार्कफेड विदिशा उल्लेखित सील हरेक खाद बोरी पर लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। उक्त कार्य की जांच परख भी की है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने डबल लॉक के वेयरहाउस में भंडारित खाद स्टाक की जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश स्थानीय एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल को दिए थे। एसडीएम श्री पटेल ने समुचित जांच पड़ताल कार्यो को पूरा करने के उपरांत प्रेषित रिपोर्ट के अनुसार शासकीय मार्कफेड वेयरहाउस में 80 बोरी एसएसपी कम पायी गई जिनका कोई रिकार्ड नही पाया गया। जांच के दौरान मौके पर उपस्थित किसान भीम सिंह मैना निवासी ग्राम सारसी के द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा 2 बोरी एनपीके की खरीदी गई जिन पर एमआरपी 1470 रू अंकित था, किन्तु रसीद 2 बोरी एनपीके की 3440 रू की दी गई है। उक्त संबंध में ऑपरेटर द्वारा बताया गया कि बोरियों पर एमआरपी रेट पुराना अंकित था। उपलब्ध बोरिया पर एमआरपी रेट 1470 रू. अंकित है उक्त दर के अनुसार कुल कीमत 2940 रू लिया जाना था। अमानक वस्तु ट्राइकोडर्मा (वॉयोफर्टीलायजर) 500 ग्राम 7079, पैकेट पाये गये जो कि एक्सपायरी डेट के रखे हुये पाये गये जिनको समय पर नष्ट नही किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि 80 बोरी एसएसपी कम पायी गई एवं एनपीके की विकय एमआरपी दर से अधिक मूल्य पर किया जाना प्रमाणित होना पाया गया।

कपड़े बदल रही थी लड़की... तभी चेंजिंग रूम में घुस आया शोरूम संचालक, मामला दर्ज

भोपाल (नप्र)। राजधानी के बागसेवनिया इलाके से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां एक कपड़ा शोरूम में कपड़े बदल रही 18 साल की कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ हुई। युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि शोरूम संचालक ने चेंजिंग रूम में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती की और अश्लील कमेंट भी किए।

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता बागसेवनिया क्षेत्र में रहकर कॉलेज में पढ़ाई करती है, उसने शोरूम से कुछ कपड़े खरीदे थे, जो फिट नहीं आए। इसके बाद वो कपड़े बदलने के लिए शोरूम पहुंची, जब वह चेंजिंग रूम में कपड़े बदल रही थी, तभी शोरूम संचालक जबरन अंदर घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा।

अश्लील कमेंट भी किए- युवती का आरोप है कि संचालक ने छेड़छाड़ के साथ ही उस पर अश्लील कमेंट भी किए। किसी तरह उसने खुद को बचाया और बाहर निकली। वह इतनी घबराई हुई थी कि तुरंत कुछ नहीं बोल पाई, लेकिन रात में उसने अपने परिवार वालों को घटना की जानकारी दी।

एफआईआर दर्ज, जांच शुरू- युवती ने थाने परिजनों के साथ पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। बागसेवनिया थाना पुलिस ने शोरूम संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

17 दिन लेट हो गई भोपाल निगम की मीटिंग

कमिश्नर के पास पहुंचे कांग्रेस पार्षद बोले-जनहित के मुद्दों पर चर्चा हो

भोपाल (नप्र)। दो महीने के अंदर भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग नहीं होने से विपक्ष की नाराजगी एक बार फिर देखने को मिली है। शुक्रवार को कांग्रेसी पार्षद भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह के पास पहुंचे और बोले कि मीटिंग 2 महीने में होनी चाहिए थी, लेकिन 17 दिन ज्यादा बीत चुके हैं। इसलिए निगम आयुक्त को निर्देश दें कि खुद मीटिंग बुलाएं। ऐसा तीसरी बार हुआ है, जब कांग्रेस पार्षद निगम परिषद की मीटिंग के लिए कमिश्नर के पास पहुंचे हो। पिछली दो बैठकों के दौरान भी ऐसा हो चुका है।

नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि निगम परिषद की मीटिंग 3 जून-25 को बुलाया जाना प्रस्तावित था, जो 20 जून तक नहीं बुलाई गई है।

बैठक की तारीख, एजेंडा नहीं आया- कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा, अब तक न तो मीटिंग की तारीख तय हुई है और न ही कोई एजेंडा सामने आया है। यह नियमों का उल्लंघन है। बताया जाता है कि निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भी नियमानुसार बैठक के लिए जिम्मेदारों से कहा है। इसके लिए लेटर भी भेजा जा चुका है।

जनहित के मुद्दों पर हो चर्चा- नेता प्रतिपक्ष जकी, पार्षद गुड्डू चौहान, प्रवीण सक्सेना, हिमांशु कंसाना समेत अन्य कांग्रेसी पार्षदों ने कमिश्नर से मिलकर बैठक में जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने की मांग उठाई। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि राजधानी में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बनती है। इस पर भी चर्चा की जाए। साथ ही सभी 85 वार्डों में विकास कार्य शुरू हो।

शिक्षकों पर लगाम कसने आया नया ई गवर्नेंस प्लेटफार्म

हमारे शिक्षक में दर्ज होगी टीचर्स की अटेंडेंस, छुट्टी, पेंशन और भत्तों की डिटेल

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में शिक्षकों की अटेंडेंस, छुट्टी, पेंशन और अन्य सभी रिकार्ड अब हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर मिलेंगे। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग 23 जून से यह नया ई गवर्नेंस सिस्टम लागू करने जा रहा है। एक जुलाई से इसे सभी जिलों के लिए लागू कर दिया जाएगा और शिक्षकों की ई अटेंडेंस समेत अन्य जानकारी इसमें फीड कराई जाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग का मानना है कि इस ई गवर्नेंस प्लेटफार्म के शुरू होने के बाद विद्यालयों से गायब रहने वाले 20 हजार से अधिक शिक्षकों की रिपोर्ट जुटाने में आसानी होगी और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकेगी।

लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर इस नई व्यवस्था का पालन कराने को कहा है। इसकी जानकारी सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को भी भेजी गई है। आयुक्त ने कहा है कि शिक्षा विभाग द्वारा एजुकेशन 3.0 पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर शिक्षकों की सुविधा के लिए हमारे शिक्षक ई गवर्नेंस प्लेटफार्म डेवलप किया गया है। इसके बाद अब सभी शिक्षकों और विभाग के स्टाफ का सर्विस रिकार्ड हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर अपडेट होगा. इसके जरिए शिक्षकों को अत्याधुनिक तरीके की अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।

एक जुलाई से ई अटेंडेंस इसी पर लगेगी- विभाग द्वारा हमारे शिक्षक सिस्टम के एक्जीक्यूशन का ट्रायल 23 जून से 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद एक जुलाई से ई अटेंडेंस सिस्टम को इसी से कनेक्ट किया जाएगा। हमारे शिक्षक प्लेटफार्म के माध्यम से विभाग शिक्षकों को व्यक्तिगत लाभ, स्वत्वों को पेमेंट आदि भुगतान से भी जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही अवकाश स्वीकृति, अवकाश का ब्यौरा रखने, क्रमोन्नति, समयमान वेतन का लाभ, वेतन वृद्धि का लाभ, परिवीक्षा अवधि, शिक्षकों के प्रशिक्षण की उपस्थिति भी इसी से जोड़ी जाएगी। वहीं अवकाश सुरक्षित करने, पेंशन स्वत्वों के भुगतान को भी इसी प्लेटफार्म से जोड़कर निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। माना जा रहा है कि इस व्यवस्था के जरिए विद्यालय से गायब रहने वाले 20 हजार से अधिक शिक्षकों पर एक्शन लेने में आसानी होगी। साथ ही अपने स्थान पर दूरस्थ विद्यालयों में किराए के शिक्षक तैनात कराने वालों को भी खोजा जा सकेगा। गौरतलब है कि खुद स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह स्वीकार कर चुके हैं कि शिक्षा विभाग में शिक्षक विद्यालय जाते ही नहीं हैं।

वन ग्रामों में सर्वे करायेंगे, जो छूट गए हैं, उन्हें भी देंगे पट्टे : मुख्यमंत्री

वन विभाग अपनी आय बढ़ाने के लिए करे प्रयास, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की वन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन ग्रामों में भी पट्टे दिए जाएंगे। वन ग्रामों में सर्वे करवाया जायेगा और जो पात्र व्यक्ति छूट गए हैं उन्हें भी ससम्मान पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सघन वन मध्यप्रदेश की पहचान है इसलिए वन विभाग प्रदेश की बेजोड़ सघन वन सम्पदा एवं वन्य जीव पर्यटन सुविधाओं में और अधिक विस्तार कर अपनी स्थायी आय के साधन बढ़ाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में आने वाले पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बाघ का दिखाई देना है, जो वन विभाग की आय का प्रमुख साधन भी है। बफर एरिया में जरूरी सुविधाओं का विस्तार करें और विशेषज्ञों की सेवाएं लें। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ वन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गुजरात के वनतारा जाएं, उनका वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर देखें और मध्यप्रदेश में भी ऐसे ही बड़े रेस्क्यू सेंटर की स्थापना की संभावनाओं पर गहनता से अध्ययन करें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, पीसीसीएफ श्री असीम श्रीवास्तव, चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थ वनकर्मियों का करेंगे सम्मान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थापना वाले वनधिकारियों एवं कर्मचारियों को पौष्टिक आहार भत्ता एवं विशेष भत्ता आदि देकर उनका सम्मान किया जाएगा। साथ ही वन सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले वनकर्मियों को आउट आफ टर्न प्रमोशन देने पर भी वन विभाग विचार कर प्रस्ताव दें।

देश के पांच सर्वोत्तम टाइगर रिजर्व में तीन मध्यप्रदेश के- अपर मुख्य सचिव वन ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा देश के सभी टाइगर रिजर्व की ग्रेडिंग की गई थी। देश के पांच सर्वोत्तम टाइगर रिजर्व में से तीन मध्यप्रदेश की पावन धरा पर स्थित हैं। यह प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि गत वित्त वर्ष में देश में 1.67 लाख से अधिक वन पर्यटक टाइगर रिजर्व में आए। इनमें से 80 हजार से अधिक वन पर्यटक मध्यप्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व में आए। उल्लेखनीय मध्यप्रदेश में वर्तमान में 9 टाइगर रिजर्व संचालित हैं। सागर जिले में 258.64 वर्ग कि.मी. वन क्षेत्र में डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य की स्थापना की अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

प्रदेश के वन आवरण में 1390 वर्ग किमी की हुई वृद्धि- बैठक में बताया गया कि वर्ष 2003 से वर्ष 2023 के दौरान सरकार की वन मित्र नीतियों के कारण मध्यप्रदेश के वन आवरण में कुल 1390 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। वन राजस्व संग्रहण के लक्ष्य 1650 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध गत वित्त वर्ष में 1646.07 करोड़ रुपये राजस्व आय दर्ज की गई है। इसमें से वन समितियों को 189.82 करोड़ का लाभांश भी बांटा गया है। वर्तमान वित्त वर्ष में 1700 करोड़ रुपये वन राजस्व आय का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में वन विभाग द्वारा 5.67 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इसी दौरान प्रदेश में राष्ट्रीय बांस मिशन योजनांतर्गत 7360 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस रोपण भी किया गया है।

4.31 लाख हेक्टे. बिगड़े वन अब अच्छे वन में परिवर्तित हुए- बैठक में बताया गया कि वन विभाग के सभी नक्शे गतिशक्ति पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। यह नक्शे गूगल अर्थ पर उपलब्ध हैं। गत वित्त वर्ष में अनुभूति कार्यक्रम के तहत 1903 राष्ट्रीय विद्यालयों में 1.21 लाख से अधिक प्रतिभागियों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया है। इस क्रम में संयुक्त वन प्रबंधन पद्धति के माध्यम से प्रदेश में 4.31 लाख हेक्टेयर बिगड़े वनों को अब अच्छे वन में परिवर्तित कर दिया गया है। प्रदेश के 925 वन ग्रामों में से 792 वन ग्राम, राजस्व ग्राम में परिवर्तित कर दिए गए हैं। संरक्षित क्षेत्र के 66 वन ग्रामों में कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के तहत प्रदेश के पांच स्थलों यथा पातालकोट, नरो हिल्स, अमरकंटक, सिरपुर झील एवं वाल्मी परिसर भोपाल को जैवविविधता विरासत स्थल घोषित किया गया है।

वन सुरक्षा एवं अग्नि प्रबंधन का प्रतिक्रिया समय 8 घंटे से घटकर 3 घंटे हुआ

पीसीसीएफ ने बताया कि वन सुरक्षा एवं प्रभावी अग्नि प्रबंधन के तहत वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मौके पर पहुंचकर अग्निशमन की कार्यवाही करने का प्रतिक्रिया समय अब 3 घंटे हो गया है। पहले यह 8 घंटे हुआ करता था। उन्होंने बताया कि अग्नि सूचना के लिए एफ.एस.आई के पोर्टल पर 1.05 लाख व्यक्तियों को फायर अलर्ट की सूचना देने के लिए पंजीबद्ध किया गया है। यह संख्या देश में सर्वाधिक है।

उज्जैन और जबलपुर जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना की तैयारी

अपर मुख्य सचिव वन ने बताया कि वन विभाग द्वारा 160 किलोमीटर संरक्षित क्षेत्रों में फेंसिंग कराने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि उज्जैन में जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार कर मंजूरी के लिए (सीजेडए), नई दिल्ली को भेज दी गई है। इसी प्रकार जबलपुर में भी जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है।

नर्मदा में महाशीर मछली तथा चंबल में कछुए सहित मगर एवं घड़ियाल का प्रजनन केंद्र स्थापना की योजना

अपर मुख्य सचिव वन ने बताया कि जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नर्मदा नदी में महाशीर मछली तथा चंबल नदी में कछुए तथा मगर एवं घड़ियाल का प्रजनन केंद्र स्थापित करने की योजना है। इसी प्रकार ओंकारेश्वर अभयारण्य तथा ताप्ति कंजर्वेशन रिजर्व एवं सोनेवानी (जिला बालाघाट) में भी कंजर्वेशन रिजर्व की स्थापना की जा रही है। उन्होंने बताया कि वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में इसी साल चीता पुनर्स्थापना की तैयारी भी की जा रही है।

ग्वालियर में रोड धंसी, शिवपुरी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बही : श्योपुर में कई गांवों का संपर्क टूटा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। शिवपुरी के कुंअरपुर गांव के पास उफनती पुलिया पार कर रहा ट्रैक्टर बह गया। वहां मौजूद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर में सवार चारों लोगों को बचा लिया है। धार जिले के मांडू की खुद नदी में एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

ग्वालियर में बारिश के कारण रोड धंस गई, जिससे एक तलघर ढह गया। आसपास के मकानों में दरारें आ गई। श्योपुर में खिरखिरी नदी उफान पर आ गई, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के आखिरी बचे 2 जिले- भिंड और मऊगंज में भी मानसून आने की आधिकारिक घोषणा कर दी। अब पूरे प्रदेश में मानसून छा गया है।

गुना में 9 घंटे में 2 इंच बारिश, 24 जिलों में गिरा पानी- एमपी में बारिश से कई जिलों में नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। गुना में 9 घंटे के दौरान 2 इंच पानी गिरा। शिवपुरी में 1.8 इंच, टीकमगढ़ में डेढ़ इंच, नरसिंहपुर में पौन इंच बारिश दर्ज की गई है। सागर, मंडला, छिंदवाड़ा, मालजखंड, बैतूल, पचमढ़ी में आधा इंच या इससे अधिक पानी गिरा है।

आज इन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट- अगले कुछ घंटों में 6 जिलों- गुना, शिवपुरी, श्योपुर, रायसेन, विदिशा और नरसिंहपुर में भारी बारिश होने की संभावना है। अशोकनगर, ग्वालियर, मुरैना, दतिया, सागर, भोपाल, नीमच, मंदसौर, राजगढ़, आगर-मालवा, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, निवाड़ी, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, कटनी, सतना, मैहर, रीवा, पन्ना, सीधी, उमरिया, सिंगरौली, जबलपुर, दमोह और सीहोर में भी बारिश और आंधी का अलर्ट है।

15 जिलों में मचेगा तांडव

मध्य प्रदेश में आखिरकार मानसून ने दस्तक दे दी है। शुक्रवार को दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया है। बता दें, भिंड और मऊगंज जिले में मानसून ने दस्तक नहीं दी थी, मगर आज यहां भी मानसून ने अपने पैर पसार लिए हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटे के लिए प्रदेश में बारिश का ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया। अशोकनगर और शिवपुरी जैसे जिलों में अति भारी वर्षा की संभावना जताई है। वहीं नर्मदापुरम, बैतूल, गुना, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, शहडोल, डिंडोरी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह और सागर जैसे जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले 4 दिन तक पूरे प्रदेश में मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर उन जिलों में जहां हैवी रेन अलर्ट है। निचले इलाकों में जलभराव और ट्रैफिक जाम की भी स्थिति बन सकती है।

पिता बोले- जहर खाकर मर जाओ, बेटे-बहू ने खा लिया

पति की मौत ; पत्नी से बोला- तेरा मेरे सिवा कौन है, तू भी जहर खा ले

गुना/विदिशा (नप्र)। विदिशा में दंपती ने जहर खा लिया। पति की मौत हो गई। पत्नी जिला अस्पताल में भर्ती है। उसका आरोप है कि ससुर आए दिन दहेज के लिए मारपीट करते थे। पति के घुटनों में पानी भरने की बीमारी थी, इलाज के लिए पैसे भी नहीं देते थे। इसलिए दोनों ने जहर खा लिया।

घटना उनारसी कलां थाना क्षेत्र के चांदबर गांव की है। 11 महीने पहले विदिशा के राजकुमार अहिरवार की शादी अशोकनगर के बडका गांव की उमा बाई से हुई थी। उमा ने बताया, गुरुवार शाम को ससुर ने पति से हिसाब मांगा और पैसों को लेकर विवाद किया। उन्होंने जहर खाकर मर जाने की बात कही। चप्पल से मारने की कोशिश भी की।

इसके बाद रात करीब 8:30 बजे पति ने जहर खा लिया। इसके बाद पत्नी से कहा कि तेरा मेरे सिवा कौन है, तू भी जहर खा ले। दोनों को बेहोशी की हालत में गुना अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया।

बेटे के जहर खाने के बाद बोले- नाटक कर रहा है- उमा ने बताया कि जहर खाने के बाद भी ससुर पति को कहने लगे कि नाटक कर रहा है। इलाज के लिए भी साथ नहीं आए। सास, ननद और जेठ दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजी अस्पताल में चल रहा था पति का इलाज- राजकुमार अहिरवार का परिवार खेती करता है। परिवार में पत्नी, माता-पिता, जेठ-जेठानी और एक ननद हैं। राजकुमार के घुटनों का इलाज कोटा के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। हर तीन महीने में पानी निकलवाना पड़ता था। बीमारी के कारण वह ठीक से चल-फिर नहीं पाता था। इसलिए कोई काम भी नहीं कर पाता था।

जमीन विवाद में घर में घुसकर किसान परिवार को पीटा

नाबालिग के साथ अश्लीलता करने का आरोप ; बाल आयोग ने लिया संज्ञान

भोपाल (नप्र)। मिसरोद इलाके में कान्हा फनसिटी के मालिक और कलोनाइज़र चेतन पाटीदार सहित उनके सहयोगियों पर पुलिस ने मारपीट की एफआईआर दो दिन पहले दर्ज की थी। इस मामले में अब बाल आयोग ने संज्ञान लिया है। जमीन नपती के दौरान हुए विवाद में चेतन और साथियों ने घर में घुसकर एक किसान परिवार को पीटा था।

पीड़ित पक्ष ने इस दौरान नाबालिग के साथ झूमाझटकी कर अश्लीलता करने के आरोप लगाए थे। आयोग ने पुलिस आयुक्त को जांच के बाद कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मारपीट की शिकायत दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लगाई है।

पुलिस के मुताबिक मिसरोद इलाके में किसान परिवार रहता है। यहीं कान्हा फनसिटी के मालिक चेतन पाटीदार और उनके रिश्तेदार रहते हैं। पिछले दिनों चेतन ने जमीन की नपती कराने के बाद पड़ोसी के पास दबी कुछ जमीन को अपने कब्जे में लिया था। पूरी कार्रवाई एसडीएम की मौजूदगी में की गई थी।

दोनों पक्षों की शिकायत पर मारपीट का केस दर्ज- दो दिन पहले चेन और बल्लू पाटीदार जमीन पर फैंसिंग कर रहे थे। इससे पास में रहने वाले एक परिवार को आपत्ति हुई। उन्होंने काम रोकने को कहा तो दोनों परिवारों में विवाद हो गया। दोनों और से लाठी और डंडों से एक दूसरे पर हमला किया गया। दोनों पक्षों की शिकायत पर मारपीट का काउंटर केस दर्ज किया था।

महीने से एक जगह खड़े कार-ऑटो जब्त

ट्रैफिक सिस्टम सुधारने के लिए सड़क पर उतरा अमला ; सांसद ने उठाया था मुद्दा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में ट्रैफिक सिस्टम सुधारने और अतिक्रमण हटाने को लेकर शुक्रवार को टीटी नगर इलाके में बड़ी कार्रवाई हुई। दोपहर तक पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम और प्रशासनिक अमले ने एक ही जगह पर महीनों से खड़े 35 से ज्यादा ऑटो और कारें जब्त की। इस दौरान कुछ लोगों ने अफसरों से बहस भी की, लेकिन सख्ती के आगे उनकी एक न चली।

एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया, कंडम गाड़ियों की वजह से सड़कें ब्लॉक हो गई थी। जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। इससे एक्सीडेंट भी होते हैं। एडीएम अंकुर मेश्राम की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और नगर निगम ने यह संयुक्त कार्रवाई की।

कार्रवाई से पहले मुनादी कराई- एसडीएम शर्मा ने बताया कि कार्रवाई से पहले मुनादी भी कराई गई। ताकि, लोग अपने कंडम वाहन हटा लें, लेकिन कई लोगों ने गाड़ियां नहीं हटाई। ये गाड़ियां 4-5 महीने से एक ही जगह पर खड़ी हुई थी। एडीएम मेश्राम ने बताया कि यह संयुक्त कार्रवाई है, जो लगातार जारी रहेगी।

सभी एसडीएम करेंगे कार्रवाई- शुक्रवार को टीटी नगर इलाके में कार्रवाई हुई। ऐसी ही कार्रवाई कोलार, बैरसिया, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरागढ़ और हुजूर क्षेत्र में भी होगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों से कार्रवाई को कहा है।

सांसद ने उठाया मुद्दा, मीटिंग की थी- भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने दो दिन पहले ही कंडम गाड़ियों और अतिक्रमण का मुद्दा उठाया था। सांसद शर्मा ने कहा कि ई-रिक्शा संचालन की कोई पॉलिसी नहीं होने की वजह से सड़कों पर जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े हो जाते हैं। इनकी स्पीड धीमी होने की वजह से गाड़ियां नहीं निकल पाती है और सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है।

ख़ासतौर पर शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों को समय पर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पहुंचने में भी दिक्कत होती है। इसलिए ई-रिक्शा संचालन के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी।

15 दिन तक चलेगा अभियान- सांसद की मीटिंग के बाद कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम से कहा था कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ट्रेंचिंग यार्ड बनकर कंडम वाहनों को सड़क से हटाएं। इसके लिए 20 जून से 15 दिन का अभियान चलाने की निर्देश दिए थे। यह कार्रवाई शुक्रवार से ही शुरू हो गई है।

सांसद ने बताया कि फुटपाथ लोगों को चलने के लिए बनाए जाते हैं, जबकि इन पर सब्जी के ठेले, फल के ठेले और अन्य तरह के अतिक्रमण लोगों ने कर लिए हैं। यहां तक कि नगर निगम द्वारा बनाई गई नालियों के ऊपर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। इन्हें हटाया जाना चाहिए। जिससे कि यातायात सुगम बने।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अटल पथ रहेगा नो-व्हीकल जोन

पार्किंग और ट्रैफिक में बड़े बदलाव, सुबह 6 बजे से लागू होगा रूट डायवर्जन

भोपाल (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल के अटल पथ पर शुक्रवार सुबह योगाभ्यास का भव्य आयोजन होगा। इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और यातायात पुलिस ने सुरक्षा और सुगमता के लिहाज से ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए हैं।

शुक्रवार सुबह 6 बजे से अटल पथ और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार कार्यक्रम स्थल के आसपास रोशनपुरा चौराहा, अपैक्स बैंक तिराहा और माता मंदिर मार्ग जैसे मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव अधिक रहने की संभावना है। इन स्थानों पर लोक परिवहन साधनों और भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा।

इन मार्गों का करें उपयोग

वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे रोशनपुरा चौराहा, रंगमहल चौराहा, जवाहर चौक और भारत माता चौक होते हुए यात्रा करें। इसके अलावा अपेक्स बैंक से लिंक रोड नंबर-1, तरुण पुष्कर, दो नंबर स्टॉप और माता मंदिर मार्ग का उपयोग भी किया जा सकता है।

पार्किंग व्यवस्था इस प्रकार रहेगी

वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन : प्लेटिनम प्लाजा चौराहा पर ड्रॉप होंगे, सेकेंड स्टॉप मार्ग के एक तरफ पार्क किए जाएंगे।

बसें : केला देवी मंदिर के बांई तरफ पार्क होंगी।

चार पहिया वाहन : केला देवी मंदिर के दाईं तरफ पार्क की जाएंगी।